दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े : www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-336 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,मंगलवार , 03 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में बर्फबारी जारी, मप्र-राजस्थान में पारा 10 डिग्री तक हुआ कम

नई दिल्ली,

कश्मीर के पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई जिलों में ठंड के मौसम का असर देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश के 10, राजस्थान के 8, उत्तर प्रदेश के 2, छत्तीसगढ़ के 2 शहरों में पारा 10डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया है।

कश्मीर के मारवाह, किश्तवाड़ और बादवान में सीजन की पहली बर्फबारी देखने को मिली है। केंद्रीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले 24 घंटों में हिमाचल के कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल स्पीति और चंबा में बर्फबारी होने के आसार हैं।

इधर, 32 दिन बाद रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया। केंद्रीय पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, एक्यूआई 285 दर्ज किया गया है, लेकिन दिल्ली में हवा की कैटेगरी अभी भी खराब बनी हुई है। दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में फेंगल तूफान का असर देखने को मिला, जिसके चलते सोमवार को भी भारी बारिश हुई है।

26 वर्षीय आईपीएस अधिकारी की सड़क हादसे में मौत

बेंगलुरु

कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस हर्षवर्धन अपनी पहली पोस्टिंग के लिए ज्वाइनिंग देने जा रहे थे, तभी अचानक हुए सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। मध्य प्रदेश निवासी आईपीएस की गाड़ी रविवार देर शाम हादसे का शिकार हो गई, जिसमें उनकी मौत हो गई। उनके निधन पर सीएम सिद्धारमैया ने शोक जताया है।

कर्नाटक के हासन जिले से प्राप्त जानकारी अनुसार आईपीएस अफसर हर्षवर्धन की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी पहली तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। दुर्घटना रविवार देर शाम को हुई। हर्षवर्धन जिस पुलिस वाहन से जा रहे थे उसका हासन तालुक के किट्टाने के निकट टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से टकरा गया।

पुलिस के अनुसार, हर्षवर्धन होलेनरसीपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के तौर पर ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्धन के सिर में गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जबकि चालक मंजेगौड़ा को मामूली चोटें आई हैं।

राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक : मुर्मु

नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्व सेवा के अधिकारियों को देश की आर्थिक सीमाओं का संरक्षक करार देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा क्योंकि दूसरे देशों के साथ व्यापार को सुगम बनाने के समझौतों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) हमारी अर्थव्यवस्था को एक समान कर प्रणाली और साझा प्रशासनिक मूल्यों के माध्यम से जोड़ती है। यह सेवा देश के कर प्रशासन में

एकरूपता को बढ़ावा देती है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सरकार, व्यापार और विभिन्न राज्यों के कर प्रशासन के बीच बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विश्व में बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हित का एजेंडा काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से तय होता है। राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा। उनकी भूमिका दूसरे देशों के साथ व्यापार सुगम बनाने के समझौतों में भी महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) देश को आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण, सामाजिक-आर्थिक योजनाओं के संचालन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने जैसे कार्यों के लिए संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाती है। यह कार्य राष्ट्र निर्माण में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि प्रशासक के रूप में अपनी भूमिका के निर्वहन के लिए, उन्हें ऐसी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ विकसित करने की जरूरत है जो पारदर्शी हों और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें। राष्ट्रपति ने कहा कि इस नए और गतिशील युग में कर संग्रह में कम हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का प्रयास किया जाना चाहिए। कर प्रशासन के क्षेत्र में नए विचार और नए समाधान प्रस्तुत करने का उत्तरदायित्व युवा अधिकारियों पर है। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को परामर्श दिया कि वे यह याद रखें, कराधान केवल देश के राजस्व को बढ़ाने का साधन नहीं है। यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्र के नागरिकों द्वारा दिये गये कर का उपयोग देश और लोगों के विकास के लिए किया जाता है। इसलिए, यदि वे अपना काम लगन और निष्ठा से करेंगे, तो देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे पाएंगे।

बाबा बागेश्वर को फिर मिली हत्या की धमकी, गिरफ्तारी की मांग

अमृतसर

बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस पर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने ी मांग हिंदू संगठनों ने की है।

जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश स्थित बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर पंजाब में बवाल मचा हुआ है। दरअसल 18 मार्च को मुरादाबाद में धीरेंद्र शास्त्री ने हरिहर मंदिर को लेकर एक बयान दिया था, जिसे पंजाब के सिख कट्टरपंथी बरजिंदर परवाना ने अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब यानी गोल्डन टेंपल से जोड़ा है। इसे लेकर अब उसने पंडित धीरेंद्र शास्त्री को कथित धमकी दी कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है, चाहे जैसे मर्जी, उन्हें मार डालेंगे।

बरजिंदर परवाना ने पंडित शास्त्री को पंजाब आने की चुनौती दी और फिर जान से मारने की कथित धमकी भी दे डाली। यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी धीरेंद्र शास्त्री को धमकियां मिल चुकी हैं। पंजाब का जरुर यह पहला मामला है। यहां बताते चलें कि पंजाब के कपूरथला जिले के कादराबाद गांव में 26 से 30 नवंबर तक चले समागम से परवाना ने धीरेंद्र शास्त्री को धमकी दी थी। यही कारण है कि एंटी टेरेरिस्ट फ्रंट इंडिया और विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने पुलिस से आरोपी परवाना को गिरफ्तार करने की मांग की है।

राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा अस्पताल, अपोलो के डॉक्टर देंगे सेवाएं

गर्मी या ठंड के कारण श्रद्धालु बीमार हो जाते हैं अब परिसर में ही मिलेगा इलाज

नई दिल्ली,

अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट ने राम भक्तों के लिए एक नई पहल शुरू की है। अब यदि श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या होती है, तो उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं। अब राम मंदिर परिसर में अस्पताल खोला जाएगा, जिसका संचालन अपोलो संस्था द्वारा किया जाएगा। इस अस्पताल में अपोलो के चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

रोज मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 80 हजार से ज्यादा होती है और त्योहारों के दौरान यह संख्या बढ़ जाती है। दर्शनार्थियों को राम मंदिर में प्रवेश करने के लिए सुग्रीव किला से राम जन्मभूमि पथ तक करीब 1500 मीटर पैदल चलना पड़ता है। इस दौरान गर्मी या ठंड के कारण श्रद्धालु बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें उपचार की जरुरत होती है। अब राम जन्मभूमि परिसर में ही एक विशेष तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र खोला जाएगा, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार की सुविधा दी जाएगी।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अपोलो ग्रुप की ओर से राम जन्मभूमि परिसर में करीब 3000 स्क्वायर फीट में एक इमरजेंसी हेल्थ केयर सेंटर खोला जाएगा। इसका निर्माण शुरू हो गया है। अपोलो ग्रुप के डॉक्टर यहां पर अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने कहा कि अक्सर भीड़-भाड़ के कारण श्रद्धालुओं को इलाज की जरूरत पड़ जाती है, और कई बार मौसम के कारण भी उनकी सेहत खराब हो जाती है।

अगर जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 फीसदी के नीचे गई तो समाज खत्म हो जाएगा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर जताई चिंता

नई दिल्ली,

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदुओं का नाम लिए बगैर भारत में उनकी घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर जताई है। उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 फीसदी के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह खुद ही खत्म हो जाएगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है।

नागपुर में एक सम्मेलन में भागवत ने कहा कि कुटुंब यानी परिवार समाज का हिस्सा है और हरेक कुटुंब इसकी इकाई है। भागवत ने भले ही ये संकेत हिंदुओं के संदर्भ में दिया है, लेकिन हकीकत ये है कि आज महंगाई, बेरोजगारी की मार झेल रहा आम आदमी के लिए तीन-तीन बच्चे पैदा करना और उनका पालन-पोषण करना कितना मुश्किल हो सकता है। जहां एक बच्चे के पालन पर ही अच्छा खासा खर्च होता है। जानते हैं कि देश में बच्चे पालना कितना महंगा हो सकता है।

इस साल भारत बढ़ती आबादी की लंबी छलांग लगाते हुए चीन को पछाड़ कर जनसंख्या में दुनिया में नंबर वन पर आ गया। हालांकि, भारत में बहुसंख्यक हिंदू पिछली जनगणना में 80 फीसदी थे। जो अब इस साल तक उनकी जनसंख्या वृद्धि दर घटने से देश में उनकी कुल आबादी घटकर 78.9 फीसदी रह गई। वहीं, हिंदू आबादी अब भी देश में करीब 100 करोड़ है।

दुनिया के 95 फीसदी हिंदू भारत में रहते हैं। वहीं, देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर बढ़ी है।

भारत में बच्चे के पालन-पोषण का बजट जगह, लाइफस्टाइल और व्यक्तिगत पसंद सहित कई तरह के फैक्टर्स पर निर्भर करता है। एक अध्ययन के मुताबिक एक बच्चे के जन्म से लेकर 18 साल तक के पालन-पोषण की अनुमानित लागत 30 लाख से लेकर 1.2 करोड़ रुपए तक आती है। यह शहरों और गांवों में परिस्थितियों के मुताबिक अलग-अलग हो सकती है।

भारत में बच्चों की देखभाल की लागत माता-पिता के लिए एक वित्तीय बोझ हो सकती है। डेकेयर सुविधाओं, प्रीस्कूल फीस और स्कूल के बाद की गतिविधियों जैसे फैक्टर्स के आधार पर ये खर्च अलग-अलग हो सकते हैं। एक बच्चे की देखभाल की लागत औसतन 15,000 से 30,000 रुपए प्रति माह होती है। महानगरों के मुकाबले छोटे शहरों और गांवों में यह लागत कम हो सकती है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कपड़े, भोजन और पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। महंगाई और बदलती हाई-फाई जीवनशैली की वजह से ये खर्च बढ़ सकते हैं। हायर एजुकेशन के लिए ही अगर विदेश भेजना पड़ा तो यह रकम औसतन 25 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक हो सकती है। भारत में अच्छा जीवन जीने की लागत शहर, परिवार के आकार और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर अलग-अलग होती है। 4 लोगों के परिवार के बेहतर रहन-सहन के लिए 50,000 से लेकर 1,00,000 रुपए तक महीना खर्च हो सकता है।

संसद का शीतकालीन सत्र

हंगामे के चलते पांचवें दिन भी कार्यवाही बाधित, दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र का आज सोमवार को पांचवां दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह के पहले दिन आज सोमवार सुबह 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने गौतम अडानी समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने के प्रयास में जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान अडानी समूह से जुड़े मामलों और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की। आज लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक पेश करने की संभावना थी, लेकिन हंगामे के चलते इसे भी टालना पड़ा है। इससे पहले पिछले हफ्ते भी चारों कार्यदिवस बिना किसी प्रगति के समाप्त हो गए थे।

राज्यसभा की कार्यवाही भी रही बाधित

राज्यसभा में भी हंगामें की स्थिति लोकसभा जैसी ही रही। वहां भी विपक्ष के हंगामे के चलते कोई चर्चा नहीं हो सकी और कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

गौरतलब है कि पिछले सोमवार से शुरू हुए शीतकालीन सत्र के दौरान अब तक विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली थी। इसके बाद विपक्ष के सांसद लगातार हंगामा करते देखे गए और सदन की कार्रवाही स्थगित की गई। इस सत्र में कुल 19-19 बैठकें आयोजित होनी हैं, लेकिन हंगामे और गतिरोध के चलते कामकाज पूरी तरह हो पाएगा इस पर शंका जाहिर की जा रही हैं। सरकार और विपक्ष के बीच सहमति बनने तक संसदीय कार्यवाही के सामान्य रूप से चलने की संभावना कम ही नजर आती है।

बार्डर पर किसान, दिल्ली परेशान

किसानों ने रोका दिल्ली मार्च...दलित प्रेरणा स्थल पर डाला डेरा

नोएडा

यूपी के किसान दिल्ली कूच एक हफ्ते तक नहीं करेंगे। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है।

किसानों ने अपनी मांगों पर फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे। अगर एक हफ्ते में मांगे नहीं मानी गई, तो किसान फिर से दिल्ली कूच करेंगे इससे पहले सोमवार दोपहर 12 बजे किसान नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास इकट्ठा हुए। संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली की तरफ बढ़े, तो पुलिस ने किसानों को दलित प्रेरणा स्थल पर रोक दिया। किसानों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए दिल्ली-यूपी को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर पर जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी थी। लेकिन, किसानों ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। हालांकि, वज्र वाहन और आरएएफ के जवान तैनात थे, ड्रोन से निगरानी हो रही थी। नोएडा एक्सप्रेस-वे दोनों तरफ से बंद होने और वाहनों की चेकिंग के चलते 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

भीषण जाम से हाहाकार

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दिल्ली की ओर बढ़े तो थोड़ी दूर पर फिर से किसानों को रोक लिया गया है। उधर, भीषण जाम से हाहाकार मच गया। वाहन चालक और आम लोग परेशान होते रहे।

संपादकीय

ग्लेशियर संकट

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

(चिंतन-मनन)

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए।

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

–ललित गर्ग–

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दशार्ता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है। वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ो। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

कांग्रेस के सामने चुनौतियों भरे कार्य

–डॉ. ज्ञान पाठक–

कांग्रेस को चुनावी रुझानों और मतदाताओं के बीच मूड में आने वाले तेजी से परिवर्तन को समझना होगा जो पार्टी का समर्थन और उसकी अस्वीकृति करते हैं- जैसा कि हम छह महीने के भीतर होने वाले चुनावों में देखते हैं। वही मतदाता जिन्होंने मई 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को बहुत उत्साह से वोट दिया था, जो भाजपा और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी घृणा के दर्शा रहे थे- जैसे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में। भारत के मतदाता पिछले कुछ समय से कांग्रेस को ऊपर-नीचे कर रहे हैं और यह प्रवृत्ति पिछले डेढ़ साल में और भी स्पष्ट हो गयी है, विशेषकर मई 2023 में कर्नाटक चुनाव के समय से, जब लोगों ने भाजपा को सत्ता से बाहर करते हुए कांग्रेस को भारी बहुमत से जिताया था। इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग हर छह महीने में मतदाताओं का मूड बदलता हुआ देखा गया है, खासकर कांग्रेस के पक्ष में या उसके खिलाफ। नवंबर 2023 में राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव, अक्टूबर 2024 में हरियाणा चुनाव और अब नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में मिली असफलताओं ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि अगर कांग्रेस को देश भर में आगामी चुनावों में भाजपा से मुकाबला करना है तो उसके सामने महत्वपूर्ण कार्य हैं, जिन्हें उसे करना ही होगा। कांग्रेस को चुनावी रुझानों और मतदाताओं के बीच मूड में आने वाले तेजी से परिवर्तन को समझना होगा जो पार्टी का समर्थन और उसकी अस्वीकृति करते हैं- जैसा कि हम छह महीने के भीतर होने वाले चुनावों में देखते हैं। वही मतदाता जिन्होंने मई 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को बहुत उत्साह से वोट दिया था, जो भाजपा और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी घृणा के दर्शा रहे थे- जैसे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में, कुछ महीने बाद अक्टूबर और नवंबर में हुए चुनावों में भाजपा और सहयोगियों के पक्ष में मतदान किया, जो इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी अस्वीकृति दशार्ते हैं। यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक रूझान है, जो प्रथम दृष्टया दशार्ता है कि अब वोटरों को किसी भी पार्टी या गठबंधन द्वारा हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इस स्थिति में कांग्रेस के पास विपक्ष में किसी भी अन्य राजनीतिक दल की तुलना में सर्वाधिक दांव पर है, क्योंकि यह केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस को वास्तव में वर्तमान चुनावी रुझानों को गहराई से समझने की आवश्यकता है, जो कुछ ही महीनों के भीतर अपने मूड को बदलने की प्रवृत्ति दिखाते हैं, जो अंततः पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले डेढ़ साल में मतदान के रूझान में बहुत भिन्नता देखी गयी है, जो क्षेत्र दर क्षेत्र और जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि बदलने के साथ ही बदल जाते हैं। कांग्रेस को न केवल इस रूझान की गहरी समझ की आवश्यकता होगी, बल्कि मतदाताओं के तेजी से बदलते व्यवहार के कारणों को भी समझना होगा। कांग्रेस को सबसे पहले हार का विश्लेषण करने की आवश्यकता है, और फिर हार के कारण या जहां इसने कम प्रदर्शन किया है, उसकी पहचान की। हार का विश्लेषण करने के अलावा, उसे आत्मनिरीक्षण करने, अपने अभियान को तैयार करने, उम्मीदवारों के चयन, गठबंधनों के साथ सीट बंटवारे और मतदाताओं को स्पष्ट रूप से संदेश देने में पार्टी द्वारा की गयी रणनीतिक गलतियों की पहचान करने की आवश्यकता। कांग्रेस नेतृत्व वास्तव में क्या करना चाहता है का संदेश भी स्पष्ट रूप मतदाताओं तक संप्रेषित करना होगा। हाल के सभी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली असफलताओं का भी मूल्यांकन करने की आवश्यकता है, क्योंकि कुल मिलाकर हार का श्रेय स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं को दिया गया है, जो गुटबाजी में लिप्त पाये गये और पार्टी में फूट दिखाई दी। इसके अलावा, उनके व्यवहार को ऐसा देखा गया जैसे कि उनका केवल स्वार्थ है। इसलिए, पार्टी के पास अपने क्षेत्रीय और स्थानीय नेताओं की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता का आकलन करने का एक बड़ा काम है। इस आकलन का उपयोग जमीनी स्तर से संगठनात्मक नेटवर्क के पुनर्निर्माण में किया जा सकता है, जो पार्टी के लिए समय की मांग है। यह पहले से ही सर्वविदित है कि कांग्रेस ने बूथ स्तर की समितियों तक अपना ऊर्ध्वाधर नेतृत्व खो दिया है, जिसे उसने कभी हासिल किया था। स्थानीय नेटवर्क का पुनर्निर्माण- जैसे कि जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर की समितियां- सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर की समितियां मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक नहीं ला सकती हैं। स्थानीय नेटवर्क को केवल कार्यकताओं को जोड़कर और समावेशिता को बढ़ावा देकर संगठन को फिर से जीवंत करके और जब भी आंतरिक शिकायतें उत्पन्न होती हैं, उन्हें संबोधित करके मजबूत किया जा सकता है। उच्च स्तरीय नेतृत्व द्वारा वर्षों तक उन्हें अनसुना छोड़ देने की कीमत गुटबाजी और अंदरूनी कलह के रूप में चुकानी पड़ती है, जो चुनावों के दौरान सबसे खराब रूप में सामने आती है और पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करती है।

क्षैतिज नेतृत्व की अपनी कमियां हैं। जब सभी कमांडर होते हैं और कोई सेना नहीं होती है या केवल मुी भर सेना होती है, तो लड़ाई कठिन हो जाती है, जैसा कि कांग्रेस इंदिरा गांधी के समय से झेल रही है। कांग्रेस नेतृत्व को इसे बदलना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष से लेकर बूथ स्तर तक अधिक अधिकार सौंपना चाहिए। चुनावों के दौरान, पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर तय की गयी राष्ट्रीय रणनीति और नीतियों का लाभ उठाने के लिए कुछ स्थानीय रणनीतियों की आवश्यकता होती है। कांग्रेस के भीतर आम शिकायत यह है कि योग्यता को कम बढ़ावा दिया जाता है और चाटुकारिता सबसे निचले स्तर से लेकर उच्चतम स्तर तक तेजी से फलती-फूलती है। इस शिकायत को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। नेतृत्व को फिर से खड़ा करने के लिए - क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों तरह से, काफी स्पष्टता की आवश्यकता है ताकि नेतृत्व की अस्पष्टताएं समय पर हल हो जायें, विशेषकर जब पार्टी के भीतर कई शक्ति केंद्र उभरें। नेतृत्व को मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होना चाहिए। पार्टी में नये विचारों को शामिल करने और संगठन तथा उसकी नीतियों के प्रति दृष्टिकोण में अधिक संतुलन लाने के लिए पुराने और नये कंधों दोनों की आवश्यकता है। पिछले कुछ चुनावों ने दिखाया है कि कांग्रेस को रणनीतिक गठबंधनों के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्षेत्रीय दलों के साथ सार्थक गठबंधन बनाने से हर जगह लाभ हुआ है और जहां भी क्षेत्रीय कांग्रेस नेतृत्व और क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व के बीच मतभेद थे, कांग्रेस ने बहुत खराब प्रदर्शन किया। किसी भी सार्थक और सफल गठबंधन को बनाने में कांग्रेस को वैचारिक स्पष्टता बनाये रखने की आवश्यकता है। राज्य और केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व को अलग-अलग सुरों पर बात करते नहीं सुना जाना चाहिए। कांग्रेस का संचार संपर्क नेटवर्क कमजोर लगता है। इसे विरोधाभासों से बचते हुए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर एक सुसंगत कथा विकसित करनी होगी। यदि ऐसा कोई जटिल मुद्दा उठता है, तो पार्टी को चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि स्पष्ट सैद्धांतिक रुख अपनाना चाहिए। मतदाताओं को सस्पेंस या भ्रम पसंद नहीं है। भाजपा के डिजिटल प्लेटफॉर्म के मुकाबले के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया की उपस्थिति को काफी मजबूत करने की जरूरत है। यात्राएं, रैलियां, सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना और पार्टी की छवि को फिर से बनाना समय की जरूरत है। देश के सामने मौजूद कई मुद्दों पर सैद्धांतिक रुख के अलावा कांग्रेस को अपने शासन के मॉडल को भी पेश करना चाहिए, जहां वह राज्यों में शासन करती है।

प्रियंका गांधी के संसद प्रवेश का बीजगणित

पंकज शर्मा–

भले ही उत्तर प्रदेश में लड़की के न लड़ पाने की तोहमत हम प्रियंका पर मढ़ दें, मगर अपनी नई भूमिका में उन की संप्रेशण दक्षता देश भर की महिला मतदाताओं का मानस तेजी से बदलेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पंजीकृत तकरीबन 97 करोड़ मतदाताओं में सवा 47 करोड़ महिलाएं थीं। पांच साल में पंजीकृत मतदाताओं की तादाद औसतन 7-8 करोड़ बढ़ जाती है। इस हिसाब से 2029 में देश में एक अरब चार करोड़ से कम मतदाता नहीं होंगे। इन में 50 करोड़ महिला मतदाता होंगी। पूछने वालों को यह पूछने का हक है कि जो प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश विधानसभा के पिछले चुनावों में 209 सभाएं और रोड शो करने के बावजूद कांग्रेस को दो फीसदी वोट ही दिला पाई थीं, उन के अब लोकसभा में पहुंच जाने से ऐसा क्या चमत्कार हो जाएगा कि कांग्रेसजन वायनाड के चुनाव नतीजों के बाद से लुंगी-डांस कर रहे हैं? कहने वालों को यह कहने का भी हक है कि उत्तर प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस की 40 प्रतिशत उम्मीदवारी महिलाओं के आंचल से बांध देने के बाद भी ह्यलड़की हूं, लड़ सकती हूंह्न के नारे की घनघोर विफलता देख लेने के बाद कांग्रेसजन को प्रियंका से अब ऐसी कौन-सी करामात की उम्मीद है कि वह दिन आया ही समझो, जब देशवासी कांग्रेस पर लट्टू हो जाएंगे? प्रियंका की सांगठनिक क्षमता पर यह सवाल उठाने का अधिकार भी लोगों को है कि कांग्रेस पार्टी की महासचिव बने तो उन्हें पौने छह साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन इस दरमियान उन्होंने ऐसा क्या कर दिखाया है कि कांग्रेस अब उन में अपना भविष्य खोजे? जनवरी 2019 में महासचिव बनने के बाद जब करीब पौने दो साल पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभार उन के पास था तो क्या वहां के 18 जिलों में कांग्रेस का परचम लहराने लगा था? फिर अब जब वे चार बरस से पूरे उत्तर प्रदेश की प्रभारी हैं तो क्या सहारनपुर से सोनभद्र तक, महोबा से महाराजगंज तक और मथुरा से अयोध्या तक कांग्रेस पर पुष्पवर्षा हो रही है? उठाने वालों को यह मुद्दा उठाने का भी हक है कि नेहरू-गांधी परिवार के तीन-तीन सदस्यों का एक ही समय में संसद

जम्हूरियत और कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की अस्वस्थ तस्वीर पेश नहीं करता है? जिन्हें इस बहाने वंशवाद के विमर्श को नए सिरे से उस के कथनांक बिंदु तक ले जाने में दिलचस्पी है, उन्हें भी इस की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। बावजूद इस तथ्य के कि इन तमाम प्रश्नों में दम है, मैं आप से कहना चाहता हूं कि वायनाड से प्रियंका की जीत के बाद कांग्रेस को अपने लिए दिख रही रोशनी के ताजा उछाह पर उठ रही इन तमाम उंगलियों को मैं इसलिए सकारात्मक मानता हूं कि अगर कांग्रेस के लिए नए जमाने का कोई सूरज कभी उगेगा तो उस का उजाला सवालों और एतराज के इन्हीं झाड़-झंखाड़ों के बीच से गुजर कर ही तो कांग्रेस के दालान में पहुंचेगा। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को चाहने वाले, जाहिर है कि, अभी क्या, कभी भी, यह नहीं मानेंगे कि संसदीय सियासत की ड्योढ़ी पर प्रियंका की औपचारिक दस्तक से उन की सेहत पर इत्ता-सा भी फर्क पड़ने वाला है। मगर मन-ही-मन वे जानते हैं कि प्रियंका के आगमन ने आगत के आसार का बीजगणित

दुरूह कर दिया है। यह परिघटना कांग्रेस को तो जो ताकत देगी, सो देगी ही, अगले दो बरस में देश के मौजूदा प्रतिपक्षी जाजम का दृश्य बदलने की भी कूवत रखती है। इस संभावना के साथ किंतु-परंतु के क्षेपक जोड़ने वालों को आजादी है कि वे अपने-अपने हिसाब-किताब लगाते रहें। मगर मैं खुद-एतमाद हूं कि अगर प्रियंका ने कुछ बातों का ख़्याल रखा तो आप-हम रायसीना-पहाड़ी को एक दिन पलक-पांवड़े बिछा कर उन का इंतजार करते देखेंगे। मैं जानता हूं कि यह कहने के बाद कई हाथों के पत्थर मेरी तलाश करेंगे कि कांग्रेस को चुटकियों में मसल कर कांकड़ा-खोह में फेंक देने की खुमारी से हमारे वर्तमान सत्तासीनों के बाहर आने का वक्त आ गया है। ह्यमोशाह्न-युगल के सुख भरे दिन तो 4 जून के बाद वैसे भी स्थाई अलविदाई ले चुके हैं, मगर हरियाणा और महाराष्ट्र में इस जुगल-जोड़ी का नग्न मतहर्ता-नृत्य देखने के बाद जिन का छिछोरा पुंसत्व फिर उछालें खाने लगा है, वे यह बात गांठ बांध लें कि उन के दिन अंतिम तौर पर लदने के दौर का औपचारिक आरंभ इस

पिछले दस साल से सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने जिस तरह पूरे संघ-खानदान को ताताथैया करा रखा है, राहुल-प्रियंका के संहारक-संयोजन से अगले साल-दो-साल में यह पदताल चकरघिन्नी बन जाएगी। साढ़े चार साल बाद होने वाले अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा चौथी बार सत्तासीन होने की उधेड़बुन कर रही होगी, मगर उस के पहले उसे ज्यादा नहीं तो 18 प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की वैतरिणी पार करनी होगी। 5 राज्य ऐसे हैं, जिन की विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा चुनाव की तारीखों के आसपास ही समाप्त होगा। इसलिए उन के चुनावों का सामना भी भाजपा को तब करना होगा। 2 प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2029 के आखीर में कराए जा सकते हैं। मगर ह्यएक देश-एक चुनावह्न के राग का आलाप अमल में आ गया तो भाजपा की हांडी को लोकसभा के मैदान में जाते-जाते 25 प्रदेशों में अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। अगर किसी को लगता है कि तेजी से बदल रहा सियासी आसमान भाजपा को ये सभी सूबे हरियाणा-महाराष्ट्र की

देगा तो यह खामख़्याली जितनी जल्दी दूर हो जाए, बेहतर है। भले ही उत्तर प्रदेश में लड़की के न लड़ पाने की तोहमत हम प्रियंका पर मढ़ दें, मगर अपनी नई भूमिका में उन की संप्रेशण दक्षता देश भर की महिला मतदाताओं का मानस तेजी से बदलेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पंजीकृत तकरीबन 97 करोड़ मतदाताओं में सवा 47 करोड़ महिलाएं थीं। पांच साल में पंजीकृत मतदाताओं की तादाद औसतन 7-8 करोड़ बढ़ जाती है। इस हिसाब से 2029 में देश में एक अरब चार करोड़ से कम मतदाता नहीं होंगे। इन में 50 करोड़ महिला मतदाता होंगी। महिलाओं द्वारा मतदान का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। इस लिहाज से सोच कर देखिए कि आबादी के तकरीबन आधे हिस्से को प्रभावित कर सकने की क्षमता रखने वाली प्रियंका की उपस्थिति कांग्रेस और विपक्ष के लिए कितनी बड़ी संपत्ति साबित हो सकती है? इसे इस नजरिए से भी देखिए कि भाजपा सहित किसी भी राजनीतिक दल में प्रियंका सरीखी प्रभावोत्पदक नेत्री अभी तो दूर-दूर तक दिखाई दे नहीं रही है।

जुड़ने की अद्भुत काबलियत है। वे गांव-देहात के लोक मंचों से ले कर राष्ट्रीय और वैष्विक स्तर के राजनयिक और बौद्धिक मचों तक पर संवाद स्थापित कर सकने की अच्छी क्षमता रखती हैं। वे संसदीय विमर्ष में भी प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं और पार्टी-संगठन के भीतर भी। इसलिए अगर प्रियंका अपने को आसपास की अलाय-बलायों से बचाए रख पाईं तो कांग्रेस उन के सहारे बहुत लंबा रास्ता तय करेगी। चलते-चलते एक बात और। प्रियंका के शपथ लेते वक्त नक्षत्र विज्ञान भी उन पर मेहरबान था। उन्होंने मकर लग्न और तुला राषि में लोकसभा सदस्यता की शपथ ली है। उस समय कुंभ का शनि दूसरे भाव में, वृष का गुरु पांचवे भाव में, कर्क का मंगल सातवें भाव में, तुला का चंद्रमा दसवें भाव में, वृश्चिक के सूर्य और बुध ग्यारहवें भाव में, मीन का राहु तीसरे भाव में और कन्या का केतु नवें भाव में था। शपथ के वक्त राहु की महादशा थी, जो अभी अगले 16 बरस तक रहेगी। सो, 2040 तक प्रियंका की राजनीति पर गहरी निगाह रखिए।

कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के नेतृत्व में हरिद्वार पुलिस की फिर मिली एक और बड़ी सफलता

दिन रात की मेहनत से कनखल के जघन्य हत्याकांड का किया खुलासा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार 'कनखल' पुलिस की कार्यकुशलता की आमजन कर रहे तारीफ एसएसपी के सशक्त नेतृत्व में लगातार सफल खुलासे कर सफलता के नए मानक स्थापित कर रही हरिद्वार पुलिस ने एक और शानदार खुलासा करते हुए थाना कनखल क्षेत्रान्तर्गत हुई विवाहिता के जघन्य हत्या प्रकरण में कामयाबी हासिल करते हुए आरोपी पति को कई दिनों की मेहनत के बाद दबोच लिया है।

क्या था मामला- दिनांक 04/11/2024 को थाना कनखल क्षेत्रांतर्गत

मोहल्ला गौरव विहार जमालपुर कलां स्थित मकान में सुरेन्द्र यादव की पत्नी का शव कमरे के फर्श पर लहू-लुहान अवस्था में पडा हुआ मिला था जिसे धारदार हथियार से वार कर नृशंस तरीके से मारा गया था इस घटना से आसपास भारी भीड़ के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पास मौजूद मृतका के दोनों बच्चों के मुताबिक जब वह स्कूले से दोपहर में घर आये तो घर के गेट व दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। काफी देर इन्तजार करने के बाद भी जब माता-पिता नहीं आये तो उन्हें लगी भूख के चलते पडोसियों द्वारा पहले गेट का और फिर कमरे के दरवाजे का ताला तोड़कर देखा गया तो कमरे के अंदर की स्थिति देखकर हर कोई सहम गया जहां बच्चों की मां का लहूलुहान शव पड़ा हुआ था।

सूचना मिलने पर एक्टिव हुई हरिद्वार पुलिस, मुकदमा हुआ दर्ज-

दिनांक 04/11/2024 की शाम को मिली इस दुःखद सूचना पर थाना कनखल पुलिस, सीओ सिटी जूही मनराल के साथ तत्काल मौके पर पंहुची। पुलिस के आला अधिकारियों समेत फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर गंभीरतापूर्वक साक्ष्य बटोरते हुए आसपास लोगों से जानकारी ली एवं अन्य कार्रवाइयों में जुट गई।

प्रकरण के सम्बन्ध में मृतका के भाई महेश द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कनखल पर मु0अ0सं0 355/2024 धारा 103 इठर बनाम सुरेन्द्र यादव अभियोग पंजीकृत गया।

पड़ताल शुरू, रखा गया ईनाम-

महिला सम्बन्धी अपराधों के प्रति गंभीर एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा बीच शहर में हुए इस जघन्यहत्याकांड पर सीओ सिटी से पूरी जानकारी लेते हुए गठित की गई पुलिस टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और पूरे मामले में शुरूआत से ही

नजर बनाए रखी। समय-समय पर जनपद में होने वाली बैठकों में इस हत्याकांड के खुलासे में लगी पुलिस टीमों के सामने आ रही प्रैक्टिकल दिक्कतों के बारे में वार्ता की गई।

मोबाइल अथवा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल न करने पर मैन्युअल तरीके से पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुरेंद्र को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन सुरेंद्र इतना शातिर था कि हर थोड़े दिन में अपना ठिकाना बदल दे रहा था जिस पर कप्तान द्वारा आरोपित सुरेन्द्र के लगातार फरार रहने पर उसके ऊपर ₹5000/- का ईनाम भी घोषित कर दिया था।

तो ये थी हत्या की वजह-

मृतका के दो बच्चे (एक बेटी 16 वर्ष व एक बेटा 10 वर्ष) हैं। बच्चों को बेहतर स्कूल में पढ़ाकर अच्छी शिक्षा देना मृतका का सपना था जिसके चलते मृतका ने लोगो के घरों पर झाड़ू-पोंछा व बर्तन धोने का काम करना शुरू कर दिया था। आरोपी पति सुरेंद्र जो अपनी मर्जी का मालिक था तथा कभी कभी ही काम पर जाता था, का अपनी पत्नी से अक्सर छोटी छोटी बातो में लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। मृतका का दूसरे घरों में काम करने के लिए जाने व आत्मनिर्भर बनने से नाराज सुरेन्द्र अपनी पत्नी से जलन रखने लगा तथा उस पर बेवजह का शक कर उसके साथ आएदिन मारपीट करने लगा था।

नेपाल भागने की थी योजना, एक्टिव हरिद्वार पुलिस ने पकड़ा--

पुलिस द्वारा आरोपी सुरेन्द्र की तलाश हेतु हरिद्वार से पटना तक मुखबिर तन्त्र सक्रिय करने की जानकारी होने पर आरोपी पुलिस की भनक लगते ही गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना ठिकाना बदल देता था। वह जहां भी जाता था उसके थोड़े ही समय बाद तेज-तर्रार हरिद्वार 'कनखल' पुलिस वहां पर पहुंच जाती थी जिस कारण आरोपी को अपना ठिकाना बदलना पड़ता था इस बार-बार की दौड़ भाग से सुरेंद्र बेहद परेशान हो गया तो उसने बिहार से नेपाल भागने की योजना बनाई और अपने जरुरी कागजात लेने के लिए अपने गांव फुल्लेलपुर पटना में आने की सूचना पर पहले से ही एक्टिव पुलिस टीम ने हत्यारोपी सुरेन्द्र को दिनांक 01-12-2024 को ग्राम फुल्लेलपुर चौक, पटना बिहार बाजार से दबोच लिया और हरिद्वार लेकर आ गई।

पढाई, लिखाई और व्यवसाय-

आरोपी सुरेन्द्र यादव मूल रूप से ग्राम फुल्लेपुर थाना अथमलगोला जिला पटना बिहार का रहने वाला है जो पिछले 20 वर्षो से हरिद्वार में रहकर ध्याडी मजदूरी का काम करता है। आरोपी मैट्रिक पास है और हरिद्वार में रहकर पल्लेदारी (ध्याडी मजदूरी) का काम करता था लेकिन अपनी मर्जी का मालिक होने के कारण कभी काम करता था और कभी घर पर ही पड़ा रहता था।

बरामद हुई हत्या में प्रयुक्त पाठल-

गिरफ्तारी के पश्चात हत्यारोपी सुरेन्द्र द्वारा जुर्म का इकबाल करने पर कनखल पुलिस ने उसकी निशांदेही से हत्या में प्रयुक्त पाठल, घटना के समय पहने कपडे तथा कमरे व गेट में लगाई गई ताले की चाबियां बरामद की गयी।

बच्चे अब कहां रहेंगे--

करीब 20 वर्षों से हरिद्वार में रहने व काम करने पर आरोपी द्वारा अपनी और पत्नी की कमाई से कनखल क्षेत्र में जैसे-तैसे एक छोटा सा मकान बना लिया था लेकिन मां की मृत्यु और पिता की जेल जाने के बाद बच्चों के सामने परवरिश की बड़ी समस्या खड़ी हो गई जिस पर मामा महेश (वादी मुकदमा) द्वारा दोनों बच्चों को अपने साथ पटना बिहार ले जाया गया जहां उनकी देखरेख में बच्चों की परवरिश हो रही है।

खुलासे पर आमजन ने जताई खुशी-

बीच शहर में हुए इस जघन्य हत्याकांड को सुनकर, देखकर हर किसी का मन विचलित हो गया था। हर कोई चाहता था कि आरोपी जल्दी से जल्दी पकड़ा जाए जिसमें तेज-तर्रार कनखल पुलिस सफल साबित हुई।

हत्यारोपी को दबोचने में मिली सफलता पर स्थानीय जनता द्वारा कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के सधे हुए नेतृत्व एवं कनखल पुलिस की तत्परता व सीआईयू यूनिट, दोनों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई।

52 पव्वे देशी शराब के साथ दबोचा नशा तस्कर

हरिद्वार, जनपद हरिद्वार में (अवैध देशी/अंग्रेजी शराब/स्मैक/चरस/गांजा आदि)तस्करों के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में कोतवाली ज्वालापुर पुलिस द्वारा अभियुक्त आशीष पुत्र स्वर्गीय टीटू निवासी छाछ वाली गली पीठ बाजार कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार को पीठ बाजार से 52 पव्वे टैट्रा मार्का देशी शराब के साथ दबोचा गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना हाजा पर मुकदमा अपराध संख्या 864/24 धारा 60 आवकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

नाम व पता गिरफ्तार अभियुक्त

आशीष पुत्र स्वर्गीय टीटू निवासी छाछ वाली गली कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार उम्र 19 वर्ष

बरामदगी

1- 52 पव्वे टैट्रा पैक देशी शराब

पुलिस टीम

1-हे0का0 हिमेश चंद्र

2-का0876 अंकित कबि

48 पव्वे देशी शराब के साथ दबोचा नशा तस्कर

हरिद्वार, नशा तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिए गए कड़े दिशा निर्देशों के क्रम में रानीपुर पुलिस द्वारा रामधाम को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त शिवसागर उर्फ राजू पुत्र रामेश्वर नि0 लेवर कालोनी सेक्टर-2 बी0एच0ई0एल0 रानीपुर हरिद्वार को 48 पव्वे देशी शराब के साथ दबोचा गया।

उपरोक्त के विरूद्ध थाने पर मु0अ0सं0 491/24 धारा 60 आब0 अधि0 का अभियोग पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त-

1- शिवसागर उर्फ राजू पुत्र रामेश्वर नि0 लेवर कालोनी सेक्टर-2 बी0एच0ई0एल0 रानीपुर हरिद्वार

बरामदगी-

कुल 48 पव्वे देशी शराब माल्टा मार्का

पुलिस टीम-

1. का0 1041 अर्जुन रावत, कोतवाली रानीपुर
2. का0 1021 मंजीत राणा, कोतवाली रानीपुर

हरिद्वार पुलिस को मिली सफलता, 24 घंटे के भीतर दबोचा चोर

बंद घर का ताला तोड़ कर ज्वैलरी चोरी की घटना को दिया था अंजाम

हरिद्वार, थाना पिरान कलियर पर दिनांक 01/12/24 को वादी श्री मिथुन सनी पुत्र स्वर्गीय पवन सिंह निवासी ग्राम शिवदासपुर उर्फ तेलीवाला थानो कलियर हरिद्वार के द्वारा खुद के घर का ताला तोड़ कर ज्वैलरी चोरी होने के संबंध में अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 481 /24 धारा 331(3)/305ुल्लर पंजीकृत कराया गया। जिसपर कार्यवाही करते हुए कलियर पुलिस द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक करते हुए गहन सुरागरसी पतारसी कर 24 घंटे के भीतर ही चोरी के आरोपी अभियुक्त शावेज को जंगल ग्राम तेलीवाला से चोरी के माल के साथ दबोचा गया।

फायर स्टेशन लक्सर द्वारा किया गया खानपुर और लक्सर राजकीय उप जिला चिकित्सालय का फायर ऑडिट एवं निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, डॉक्टर एवं अस्पताल कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों की प्रयोग विधि एवं हैंडलिंग के बारे में दी विस्तृत जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निदेर्शों के क्रम में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी लक्सर द्वारा टीम के साथ अग्निशमन एवं सुरक्षा की दृष्टि से राजकीय उप जिला चिकित्सालय लक्सर/ खानपुर तथा स्वरूप हॉस्पिटल लक्सर का फायर ऑडिट एवं निरीक्षण किया गया। अस्पताल में लगे अग्निशमन उपकरणों को भी चेक किया गया व अस्पताल प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि अस्पताल में नियुक्त सभी डॉक्टर एवं अस्पताल स्टाफ को अग्निशमन उपकरणों की प्रयोग विधि एवं हैंडलिंग की जानकारी होना अति आवश्यक है कोई भी अग्निकांड होने पर अस्पताल में जनहानि की अधिक संभावना रहती है।

ऐसे स्थानों पर अग्निशमन उपकरणों का उच्च कोटि का होना अग्निशमन उपकरणों की प्रयोग विधि एवं जानकारी का होना नितांत आवश्यक है समय समय पर मॉक ड्रिल एवं अभ्यास कार्यक्रम आयोजित करते रहे, जिससे किसी भी अग्नि दुर्घटना

होने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके क्योंकि कोई भी दुर्घटना होने पर आप स्वयं ही प्रथम रिस्पांडर की भूमिका में होते हैं।

निरीक्षण टीम-

1. कृपाराम शर्मा प्रभारी अग्निशमन अधिकारी
2. फायरमैन कविंद्र सिंह
3. चालक संजय कुमार

हरिद्वार पुलिस ने चोरी की योजना बना रहे 04 अभियुक्तों को दबोचा

अभियुक्तों के कब्जे से 01-01 अदद ब्लैड कटर बरामद

हरिद्वार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु जनपद में संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चैकिंग करने को निर्देशित किया गया है।

उक्त आदेश के अनुपालन के क्रम में दिनांक 01.12.24 को कोतवाली नगर पुलिस द्वारा चौकी हर की पैडी क्षेत्रान्तर्गत चैकिंग के दौरान 04 अभियुक्तगणों को रोक कर चेक करने पर कब्जे से चोरी करने के उद्देश्य से 01-01 अदद ब्लेड कटर नाजायज बरामद हुआ पूछताछ करने पर चोरी करने के उद्देश्य से वहाँ आना प्रकाश में आया।

अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नाम पता अभि0गणझ्

1. राजू पुत्र गंगा राम निवासी-10 नम्बर ठोकर धोबीघाट वैरागी कैम्प थाना कनखल हरिद्वार

2. शशी कुमार पुत्र रतन कुमार निवासी-तिलहेडी थाना देवरिया जिला गिरडीह झारखण्ड
3. कृष्ण पुत्र श्यामलाल निवासी- 10 नम्बर ठोकर धोबीघाट बैरागी कैम्प थाना कनखल हरिद्वार
4. राकेश पुत्र रमेश निवासी-10 नम्बर ठोकर धोबी घाट बैरागी कैम्प थाना कनखल हरिद्वार

हरिद्वार-नजीबाबाद रोड़ निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर सचिव नाराज

हरिद्वार – सचिव लोक निर्माण विभाग पंकज कुमार पाण्डे ने निमार्णाधीन चण्डी घाट पुल सहित हरिद्वार-नजीबाबाद रोड़ निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों व शहरो को जोड़ने में यह मार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निर्देश दिये कि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यात्राओं को सरल, सुगम, सुरक्षित व आरामदायक बनाने के लिए सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए पीडी एनएचएआई तथा सम्बन्धित कम्पनी के अधिकारियों को लेबर तथा मशीनरी बढ़ाते हुए समयबद्धता व गुणवत्ता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की साप्ताहिक मॉनीटरिंग की जायेगी, इसलिए चरणबद्ध साप्ताहिक कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करें और कार्य योजना के अनुसार ही कार्य करना सुनिश्चित करें।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी और प्रोजेक्ट के पूरा करने में अनावश्यक विलम्ब करने पर कम्पनी के विरूद्ध ब्लैक लिस्ट की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि कार्य में किसी भी र्प्रकार की अड़चन आने की सम्भावन हो तो उसे समय रहते दूर कर लिया जाये ताकि निर्माण कार्य बाधित न हों।

इस दौरान विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी लक्ष्मीराज चौहान, उप जिलाधिकारी अजयवीर सिंह, अधीक्षण अभियन्ता लोनिवि धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अधिशासी अभियन्ता लोनिवि दीपक कुमार, पीडी एनएचएआई प्रदीप गुंसाई, सरफराज रहमान आदि उपस्थित थे।

विकासखंड खानपुर में उजाला उछऋके संग्रहण केंद्र एवं सह प्रसंस्करण केंद्र, सिंघाड़ा यूनिट का सीडीओ महोदया हरिद्वार द्वारा भौतिक सत्यापन सम्पन्न

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) महोदया द्वारा विकासखंड खानपुर के उजाला सीएलएफ (उछऋ) के अंतर्गत बनने वाले संग्रहण केंद्र एवं सह प्रसंस्करण केंद्र का भौतिक सत्यापन किया गया। इस मौके पर जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान परियोजना की उपस्थिति में माननीय ब्लॉक प्रमुख खानपुर एवं खंड विकास अधिकारी महोदय भी उपस्थित रहे।

संग्रहण केंद्र और सह प्रसंस्करण केंद्र की विकास योजनाओं पर चर्चा:-

भ्रमण के दौरान सीडीओ महोदया ने संग्रहण केंद्र एवं सह प्रसंस्करण केंद्र के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और यूनिट के विकास से संबंधित आगे की योजनाओं पर गहन चर्चा की। निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु ठेकेदार और रीप स्टाफ को निर्देश दिए गए।

सिंघाड़ा यूनिट का ट्रायल और प्रगति समीक्षा:-

इस अवसर पर, स्थापित की गई सिंघाड़ा यूनिट का ट्रायल भी जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामोत्थान परियोजना के द्वारा किया गया। साथ ही यूनिट की कार्यक्षमता और मशीनों की प्रभावशीलता का निरीक्षण भी किया गया। साथ ही, सिंघाड़ा उत्पादन प्रक्रिया में किसानों और यूनिट स्टाफ के समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

बिजली कनेक्शन और अन्य सुविधाओं के निदेर्श:-

सिंघाड़ा यूनिट की पूर्ण कार्यक्षमता सुनिश्चित करने हेतु सीडीओ महोदया ने बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए कहा गया।

स्टाफ मीटिंग और आवश्यक निदेर्श:-

भ्रमण के दौरान सीडीओ महोदया की उपस्थिति में सभी ब्लॉक स्टाफ की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीडीओ महोदया ने ब्लॉक और सीएलएफ स्टाफ को विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिला स्तरीय टीम की भागीदारी:-

आज के भ्रमण में जिला परियोजना प्रबंधन इकाई से जिला स्तरीय टीम ने भी भाग लिया। इस टीम में असिस्टेंट मैनेजर (सेल्स एंड मार्केटिंग), सहायक प्रबंधक (क&र), ऊळए ठफ्छट, ब्लॉक स्तर के एनआरएलएम (इटट, ऊएड) एवं रीप स्टाफ (छउ & अए-अल्), सीएलएफ स्टाफ और सीएलएफ अध्यक्षा उपस्थित रहीं। सभी ने संग्रहण केंद्र, सह प्रसंस्करण केंद्र और सिंघाड़ा यूनिट के संचालन एवं प्रबंधन में योगदान देने के लिए विचार साझा किए।

छमाही निरीक्षण करने कोतवाली ज्वालापुर पुलिस सीओ शांतनु पाराशर

अस्लाह एम्यूनेशन, राजकीय अभिलेखों को परख दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर शान्तनु पाराशर द्वारा कोतवाली ज्वालापुर का अर्धवार्षिक निरीक्षण निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

सभी अभिलेखों को अध्यवधिक करने हेतु करने व उप निरीक्षक गण/विवेचना को प्रार्थना पत्रों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि आमजन की समस्याओं का समय से समाधान हो सके। साथ ही उप निरीक्षक गणों को और कर्मचारियों को अस्लाह/हथियारों का अभ्यास कराते हुए निर्देश दिए कि माह में कम से कम दो बार सभी अधिकारी और कर्मचारियों को शस्त्रो का नियमित अभ्यास कराया जाए जिससे उनके कार्य शैली में सुधार हो थाने में रखें पुराने और अनुपयोगी मालो का उचित और शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार में आयोजित 03 दिवसीय स्थापना दिवस मेले का हुआ रंगारंग शुभारम्भ

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

मुख्य अतिथि श्रीमती नीरू गर्ग, पुलिस महानिरीक्षक, पी0ए0सी0 उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 के खेल मैदान में विधि-विधान से पूजन कर 03 दिवसीय वाहिनी स्थापना दिवस मेले का शुभारम्भ किया गया। वर्ष-1980 में लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में स्थापना के उपरान्त प्रत्येक वर्ष 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 का स्थापना दिवस 02 दिसम्बर के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर श्रीमती श्वेता चौबे, सेनानायक आई0आर0बी0 द्वितीय एवं प्रभारी सेनानायक 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार,सुरजीत सिंह पँवार, उप सेनानायक 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार, सुश्री अरूणा भारती, सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र, हरिद्वार, स्वप्निल मुयाल, पुलिस उपाधीक्षक जी0आर0पी0 हरिद्वार, सुरेन्द्र प्रसाद बलूनी, सहायक सेनानायक 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक,हीरा लाल बिज्लवाण, सेवा निवृत्त शिविरपाल नरेन्द्र सिंह भण्डारी, वरिष्ठ पत्रकार सुनील दत्त पाण्डे उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक, पी0ए0सी0 नीरू गर्ग द्वारा इस मौके पर इस मेले को 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार के 44 वर्षों के अनुभव और उत्साह का प्रदर्शन बताया गया।

दिनॉक 02-12-2024 से दिनॉक 04-12-2024 तक वाहिनी में आयोजित इस मेले में वोकल फॉर लोकल की थीम पर सभी प्रकार के पहाडी अनाज, फल, मिठाई, अचार, जूस, ऊनी सामान जैसे पहाडी टोपी, दस्ताने, स्पोर्टस का सामान, क्रॉकरी, साज-सज्जा का सामान, कॉस्मेटिक्स सामग्री एवं बच्चों के कपडे इत्यादि के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के फास्ट-फूड खाद्य सामग्रियों को वाहिनी के अधि0/कर्मचारियों द्वारा दलवार स्टॉल लगाकर उचित दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मेले का मुख्य आकर्षण लकी ड्रॉ है।, जिसमे प्रथम पुरूस्कार स्कूटी, द्वितीय पुरस्कार लैपटॉप, तृतीय पुरस्कार एल0ई0डी0 (32 इन्च), चतुर्थ पुरस्कार फ्रिज, पच्चम पुरस्कार साईकिल सहित लगभग 120 आकर्षक ईनाम रखे गये है। मेले में विभिन्न प्रकार के झूले लगवाये गये है। इस मेले में पुलिस द्वारा सुरक्षा/डियूटी में प्रयोग किये जाने वाले आर्म्स-एम्यूनेशन जैसे एल0एम0जी0, 51-एम0एम0 मोर्टार, 7.62 एम0एम0 असाल्ट घातक रायफल, 5.56 एम0एम0 एक्स कैलीबर, 9 एम0एम0 कार्बाईन, ए0के047 रायफल आदि की प्रदर्शनी तथा आपदा एवं बाढ राहत रैस्क्यू के दौरान प्रयोग किये जाने वाले उपकरण जैसे बोट, स्कूबा डाइविंग शूट, सोनार डिवाइस आदि प्रदर्शनी में लगायी गयी है एवं सैल्फी प्वाईट बनाये गये है जो मेले की विशेष झलकियॉ है। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में उपवा के तत्वाधान में महिला कल्याण केन्द्र द्वारा बनाये गये मेज पोश, थाल पोश, हेण्डमेड ज्वैलरी, पेन्टिंग, ऊनी स्वेटर, कुशन, आदि भी उचित दरों पर उपलब्ध कराये जा रहे है। मेले में लगाई गयी उक्त प्रदर्शनियों की आगंतुकों द्वारा सराहना की गयी। मेले के शुभारम्भ अवसर पर श्रीमती पूजा पॅवार,मंहत रघुवीर दास, मंहत जयराम दास,आदेश कुमार, शिविरपाल 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार,ओम प्रकाश,श्रीमती कविता रावत,बीरेन्द्र सिंह कठैत, सोहन लाल जोशी, श्री महिपाल सिंह बिष्ट,राजपाल सिंह बिष्ट, कैलाश शर्मा,कमल सिंह सजवाण राकेश धीमान,श्रीमती अनुपमा राणा,खजांची लाल दलनायक,नरेन्द्र मेहरा, एच0डी0आई0 ए0टी0सी0, सू0सैन्य सहायक श्री विक्रम सिंह भण्डारी 40वीं वाहिनी पी0ए0सी0 हरिद्वार एवं वाहिनी मुख्यालय में उपस्थित समस्त अधि0/कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

दिनॉक 02-12-2024 से दिनॉक 04-12-2024 तक प्रत्येक दिवस सांयकालीन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा जिसमे वाहिनी की आक्रेस्ट्रा टीम, पुलिस मॉर्डन स्कूल एवं वाहिनी फेमिली लाईन के बच्चों तथा हैप्पी डांस ग्रुप द्वारा प्रस्तुतियॉ दी जायेगी। स्थापना दिवस मेले की शुभारम्भ तिथि में पुलिस मॉर्डन स्कूल के बच्चों के लिए जलेबी दौड, सुई धागा दौड, महिला टीचर एवं महिला दल के बीच रस्सा-कस्सी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनॉक 03-12-2024 को मेला चलता रहेगा एवं दिन में विभिन्न खेल प्रतियोगिताऐ जैसे कुर्सी दौड, रस्सा-कस्सी, बॉलीबाल आदि का आयोजन किया जायेगा एवं सांय सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जायेगी जिसमे प्रसिद्ध लोक कलाकार/अभिनेत्री श्वेता माहरा मेले का विशेष आकर्षण है। दिनॉक 04-12-2024 को दिन में मेला लगातार चलता रहेगा एवं सांय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन व लकी ड्रॉ/पुरस्कार वितरण के उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा मेले का समापन किया जायेगा।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का कार्य अंतिम चरण में: धामी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का कार्य अंतिम चरण में है और मुख्यमंत्री बार-बार यह संदेश दे रहे हैं कि देश के प्रधानमंत्री और केन्द्रीय सडक परिवहन मंत्री ने इस एक्सप्रेस वे का तोहफा देश के करोडो देशवासियों को दिया है वह अलौकिक है और इस एक्सप्रेस वे से चारधाम यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को और सुगमता होगी और इसका निर्माण जिस शैली से कराया गया है उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती क्योंकि इस एक्सप्रेस वे के निर्माण के दौरान वन्य जीवों की सुरक्षा एवं उनकी आवाजाही को मुक्त और पूर्ण तरीके से सुरक्षित बनायेगा। मुख्यमंत्री ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्यों को परखा और वह यह देखकर काफी गदगद नजर आये कि इस गजब के एक्सप्रेस हाईवे बनने का सारा श्रेय डबल इंजन सरकार को जाता है और जल्द यह एक्सप्रेस वे देश के करोडो लोगों को समर्पित कर दिया जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डाट काली मंदिर देहरादून में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने एक्सप्रेस वे के निर्माण में इस्तेमाल हो रही आधुनिक तकनीकों और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का कार्य अन्तिम चरण में हैं। इस एक्सप्रेसवे का तेजी से निर्माण होने पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेस वे के पूर्ण होने पर देहरादून से दिल्ली का सफर मात्र दो से ढ़ाई घण्टे में पूर्ण हो जायेगा। इससे जहां लोगों का आवागमन सरल होगा। चारधाम यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को और सुगमता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की आर्थिकी को बढ़ाने, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी यह प्रोजेक्ट सहायक सिद्ध होगा। इस प्रोजेक्ट में इकोलॉजी और इकोनॉमी का समन्वय करते हुए एशिया का सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर भी बनाया गया है, जो वन्यजीवों की सुरक्षा एवं उनकी आवाजाही को मुक्त और पूर्ण तरीके से सुरक्षित बनाएगा।

कांग्रेस फंस गई धामी के राजनीतिक चक्रव्यूह में

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री राजनीति के इतने बडे चाणक्य बन चुके हैं कि उन्होंने राज्य में वर्षों तक कमल को खिलाने का जो खाका बनाया है उससे विपक्ष के माथे पर चिंता की लकीरें पड गई हैं और उन्हें यह समझ ही नहीं आ रहा कि जिस रणनीति के साथ मुख्यमंत्री सरकार चलाकर आवाम के दिलों में राज कर रहे हैं उससे उनकी राजनीति कैसे परवान चढ पायेगी? लोकसभा, विधानसभा और अब केदारनाथ उपचुनाव में मुख्यमंत्री ने अपनी कुशल रणनीति से जिस तरह कांग्रेस के हाथों में जा रही केदारनाथ की जीत को उसके कब्जे से छीनकर वहां कमल खिलाने का जो राजनीतिक हुनर दिखाया है उससे उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि देशभर में मुख्यमंत्री की राजनीतिक धमक उफान पर दिखाई दे रही है। राज्यवासियों से किये गये हर वायदे को पूरा करने के लिए आये दिन मुख्यमंत्री खुद आगे बढते जा रहे हैं और आवाम को मुख्यमंत्री का गुलजार होता उत्तराखण्ड खूब रास आ रहा है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ने अभी से ही ऐसी राजनीति बिसात बिछानी शुरू कर दी है कि धामी के राजनीतिक समुद्र के भंवर में कांग्रेस फसती हुई नजर आने लगी है? कांग्रेस के कई छत्रपों में इस बात को लेकर बेचैनी का दौर चल रहा है कि जिस तरह से मुख्यमंत्री विकास की नई उडान पर उड रहे हैं उससे वह आने वाले विधानसभा चुनाव में आखिर किन मुद्दों को लेकर आवाम के बीच जाकर सरकार बनाने का सपना देख पायेंगे?

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी की आवाम के बीच खूब गारंटी चल रही है। केदारनाथ उपचुनाव के दौरान यह दावा किया जा रहा था कि इस चुनाव मे कांग्रेस जीत हासिल कर सकती है और भाजपा को हार से ही संतोष करना पडेगा

लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अटूट विश्वास था कि केदारनाथ मे जिस तरह से वह विकास के पहिये को आगे बढ़ा रहे हैं।

उसके चलते केदारनाथ की जनता भाजपा पर अपनी आस्था दिखाते हुए पार्टी प्रत्याशी को बडे अंतर से जीत का आशीर्वाद देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का उत्तराखण्ड की राजनीति मे राजनीतिक वजूद जिस तरह से ऊफान पर है वह किसी से छिपा नहीं है और मुख्यमंत्री ने आवाम के बीच जाकर जिस तरह से उनके दिलों को जीतने का जो सिलसिला शुरू किया था उसी का परिणाम है कि राज्य की जनता मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी को सत्ता मे लम्बे अर्से तक बने रहने का अपना खुला आशीर्वाद देती आ रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हर दिल अजीज बन चुके हैं और बच्चों से लेकर बडों तक वह आवाम के दिलों मे जिस तरह से राज करने लगे हैं उससे उत्तराखण्डवासियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी की गारंटी खूब रास आ रही है। आवाम को यह विश्वास है कि मुख्यमंत्री जो भी वायदा आवाम से करते हैं उस पर वह खरा उतरने के लिए रात-दिन एक कर देते हैं और उसी के चलते आवाम उन पर अभेद भरोसा कर रही है। मुख्यमंत्री की उत्तराखण्ड मे राजनीतिक लहर का अक्स 2022 के विधानसभा चुनाव मे भी आवाम देख चुकी है और उन्होंने आवाम के सामने अपनी गारंटी रखी थी उस पर राज्यवासियों ने अभेद भरोसा किया था और उसी के चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मात्र छह माह के भीतर भाजपा को प्रचंड बहुमत की सरकार दिलाकर अपनी कुशल राजनीति से रूबरू करा दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि देश के लोग एक बडे राजनेता के रूप मे देखने लगे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ उपचुनाव में चाणक्य नीति से पासे फेंके थे वह चौसर पर सटीक बैठे और उसी के बल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने भाजपा प्रत्याशी को चुनाव में जीतवाने के लिए ऐसा चक्रव्यूह तैयार किया था कि विपक्ष समझ ही नहीं पाया कि वह मुख्यमंत्री के बिछाये राजनीतिक जाल मे उलझ गये हैं? मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी राज्य के अन्दर कांग्रेस को हाशिये पर लाने के लिए जिस रणनीति के तहत धुआंधार अंदाज मे सरकार चला रहे हैं उससे कांग्रेस के काफी छत्रपों की नींद उडी हुई है और उन्हें भी यह दिखाई दे रहा है कि मुख्यमंत्री मौजूदा दौर मे राजनीति के बडे चाणक्य बन चुके है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि देश मे जहां-जहां कांग्रेस को ललकारने के लिए अपने कदम आगे बढाये वहां-वहां कांग्रेस राजनीतिक पिच पर धडाम होती चली गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के राजनीतिक समुद्र के भंवर मे कांग्रेस इस कदर फस चुकी है कि उसे इस भंवर से बाहर निकलने का कोई रास्ता सम्भवतः नजर नहीं आ रहा है?

बागेश्वर पुलिस का चैकिंग अभियान लगातार जारी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

शराब के नशे में वाहन चलाना चालक को पड़ा भारी, पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर वाहन किया सीज । पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के आदेशानुसार जनपद क्षेत्रान्तर्गत सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से नाबालिग वाहन चालकों/शराब पीकर वाहन चलाने/खतरनाक तरीके से वाहन चलाने/यातायात नियमों का उल्लंघन करने/बिना रिफ्लेक्टर बिना प्रदूषण एवं शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष चैकिंग अभियान के तहत थाना बैजनाथ पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान थाना बैजनाथ क्षेत्रान्तर्गत सकॉर्पियों वाहन टैक्सी वङ 02ळअ 3456 को रोक कर चैक किया तो वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चला रहा था, शराब के नशे में वाहन चलाने पर अपनी व अन्य की जान जोखिम में डालने पर चालक को मौके पर गिरफ्तार कर वाहन को धारा 185,202,207 एम0वी0एक्ट0 में सीज किया गया तथा चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को कब्जे में लेकर निरस्तीकरण* की कार्यवाही की गई।

साथ ही जनपद पुलिस द्वारा चैकिंग अभियान के दौरान एम0 वी0एक्ट में कुल 62 पर चालानी कार्यवाही की गयी ।इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा वाहन स्वामी/चालकों को यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा शराब पीकर वाहन न चलाने व क्षमता से अधिक सवारी ना ले जाने नाबालिक द्वारा वाहन न चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन को न चलाने व वाहन संबंधी समस्त दस्तावेज रखने को कहा गया तथा यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर एमवी एक्ट के तहत की जाने वाली कार्यवाई के बारे में बताया गया तथा एमवी एक्ट मैं नेक व्यक्तिर के लिए स्कीम के बारे में बताया गया। साथ ही उत्त-राखण्ड पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार के एप जैसे उत्तराखंड पुलिस एप, गौरा शक्ति एप के सम्बंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

इसके अतिरिक्त सभी को उत्तराखण्ड पुलिस के विभिन्न हेल्पलाईन नम्बर डायल 112 व 1930 की भी जानकारी प्रदान की गयी। बागेश्वर पुलिस का चैकिंग अभियान लगातार जारी है।

सोशल साईट्स पर विज्ञापनों के माध्यम मुनाफा कमाने का लालच देकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तराखण्डःसोशल मीडिया साईट्स में विज्ञापनों के जरिये ऑनलाइन ट्रेडिंग कर अधिक मुनाफे का लालच देकर पीड़ितों से धनराशि ठगने वाले गिरोह के एक अन्य सदस्य को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है।

एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि उक्त प्र-करण में जनपद उधमसिंहनगर निवासी पीड़ित द्वारा बीते फरवरी महीने में शिकायत दर्ज करवाई कि उनके द्वारा दिसम्बर 2023 में फेसबुक में एक ऑनलाईन ट्रैडिंग बिजनेस का विज्ञापन देखा जिसके लिंक पर क्लिक करने पर उनको एक अज्ञात वाट्सअप ग्रुप से जुडना बताया गया, चैटिंग करने के उपरांत शिकायतकर्ता को एक अन्य लिंक के माध्यम से इंद्रा कस्टमर केयर-एफ25 नाम के ग्रुप में जोड़ा गया जिसमें उनके द्वारा स्वयं को इंद्रा कम्पनी का प्रतिनिधि बताया गया था तथा ट्रेडिंग में लगायी गयी धनराशि को उनके द्वारा दिये गये लॉगिन आई0डी0 पासवर्ड से लॉगिन करने पर पीड़ित को धनराशि दिखाई जाती थी जिसके उपरान्त पीड़ित द्वारा ऑनलाईन ट्रेडिंग करने के लिये अभियुक्तगणों द्वारा व्हाटसप के माध्यम से उपलब्ध कराये गये विभिन्न बैंक खातो में लगभग 52 लाख रुपये की धनराशी धोखाधड़ी से जमा करायी गयी ।

उन्होंने आगे बताया कि साईबर अपराधियों द्वारा शिकायतकर्ता को ऑनलाईन शेयरमार्केटिंग में अधिक मुनाफे का लालच दिया गया तथा इसमे निवेश करने पर वादी को शार्ट टर्म में अधिक मुनाफे का भरोसा देकर ठगी की गयी।

उनके द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते

हुए विवेचना प्रभारी निरीक्षक साईबर क्राईम अरूण कुमार को सुपुर्द करते हुये अभियोग के अनावरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

जिस क्रम में साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों, रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों व वाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों,सर्विस प्रदाता कम्पनी, मेटा कम्पनियों से डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित से अन्य व्यक्तियों के खातों (कमीशन बेस्ड खाते)का प्रयोग कर धोखाधडी की गयी धनराशि प्राप्त किये जाने हेतु प्रयोग करते थे । उक्त प्रकरण में विवेचना के दौरान साईबर थाना पुलिस टीम द्वारा बैंक खातो तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन कार्यवाही किया गया व पुलिस टीम द्वारा तकनीकी व डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर घटना से सम्बन्धित मुदस्सिर मिर्जा पुत्र जुबेर मिर्जा, दीपक अग्रवाल पुत्र स्व0 राधेश्याम अग्रवाल तथा गौरव गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता को पूर्व में गिरफ्तार किया गया व शेष अभियुक्तगणों की तलाश जारी की गयी जिसमें प्रभारी निरीक्षक अरूण कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा मॉडल ग्राम थाना सिटी नम्बर 2 मलेरकोटला पंजाब जाकर प्रकाश में अन्य अभियुक्त रतना पुत्र दीना निवासी मॉडल ग्राम थाना सिटी नम्बर 2 मलेरकोटला पंजाब को तलाश कर उसे हिरासत में लेकर स्थानीय थाना सिटी नम्बर 2 मलेरकोटला दाखिल किया गया तथा विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुये रतना के विरूद्ध दण्ड प्रकिया संहिता की धारा 41 ए की कार्यवाही अमल लायी गयी।

लाभार्थी खाता धारक रतना पुत्र दीना द्वारा साईबर अपराधियों के साथ मिलकर अहमदाबाद गुजरात जाकर एमएम टूर एण्ड ट्रेवलर के नाम से एक फर्जी फर्म बनाकर रजिस्टर्ड करायी गयी तथा फर्म के नाम पर आईडीएफसी बैंक अहमदाबाद में खाता खोलकर खाते में शिकायतकर्ता से 01 लाख 35 हजार रुपए प्राप्त किये गये।

एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि साईबर पुलिस टीम को तकनीकी बिन्दुओं पर प्राप्त जानकारी हाथ लगी तथा टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुये साक्ष्य एकत्रित कार्यवाही करते हुये अभियोग में प्रकाश में आये रतना पुत्र दीना के विरूद्ध भा0द0वी0 के प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुये उनकी तलाशी में अभियुक्तों से घटना में प्रयुक्त 01 मोबाइल फोन्स 1 सिम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड भी बरामद हुए है,साईबर पुलिस की जांच पड़ताल में अभियुक्त के मोबाइल फोन में कई ईमेल एकाउन्ट, बैंक खातों, फर्जी फर्म व कम्पनियों के नाम फोटो व दस्तावेज बरामद हुये है तथा विदेशी मोबाइल नम्बरों के साथ व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर उनके साथ चैटिंग व साईबर अपराधियो से सम्पर्क होना प्रकाश में आया है।

अभियुक्त द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ट्रैडिंग बिजनेस का विज्ञापन प्रसारित कर लिंक के माध्यम से वाट्सअप ग्रुप में जोड़ कर ऑनलाईन ट्रेडिंग करने शार्ट टर्म में अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर इन्वेस्ट के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी

भाईचारा खराब करने वाले संगठनों पर लगे अंकुश : जमीअत

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

समाजिक बुराईयों को दूर करने व नशे से बचाव को मकतब स्थापित करेगी जमीअतः कासमी देहरादून। जमीअत उलेमा-ए-हिंद की जिला देहरादून इकाई ने स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को धार्मिक शिक्षा से जोड़ने के लिये जिले भर में मकतबों की स्थापना करने का फैसला लिया है, साथ ही सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने और नशा रोकों अभियान के तहत रैलिया निकालने का भी निर्णय लिया गया है।

रविवार को मदरसा दार-ए-अरकम आजाद कालोनी में जमीअत की एक अहम बैठक मजलिस तहफ्फुज खतमे नुबुव्वत के जिला अध्यक्ष मुफ्ती वासिल कासमी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें नव नियुक्त कार्यकारीणी का परिचय कराने के साथ-साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।बैठक निर्णय लिया गया कि उत्तराखण्ड जैसे शांत प्रिय प्रदेश में कुछ समाजिक संगठनों की और से हालात खराब करने की नाकाम कोशिशे हो रही है, जिस के लिये प्रदेश के राज्यपाल से मुलाकात कर ऐसे भाईचारा खराब करने वालों पर अंकुश लगाने की मांग की जाएगी। वहीं, समाजिक बुराईयों को दूर करने और नशे से नौजवानों को बचाने के लिये हर गाव-मुहल्ले में मकतब स्थापित करने और रैलियां निकालने का फैसला लिया गया है।इस मौके पर जमीअत के जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी, जिला महासचिव कारी आबिद अली, इस्लाहे मुआशरा कमेटी के जिला महासचिव मौहम्मद शाहनजर, जमीअत के शहर अध्यक्ष मुफ्ती अयाज अहमद, जिला उपाध्यक्ष मुफ्ती अकमल कासमी, मुफ्ती राशिद, मुफ्ती अब्दुल कादिर कासमी, जिला कोषाध्यक्ष मास्टर अब्दुल सत्तार, मौलाना रागिब मजाहिरी, मौलाना एजाज अहमद कासमी, मौलाना मौ. इमत्याज मजाहिरी, मुफ्ती नसीम अहमद कासमी, मौलाना महताब आलम, कारी फाइक अहमद, मौलाना अब्दुल कादिर मजाहिरी, कारी मौ. एहसान, हाफिज मौ. अली, मुफ्ती मौ. रागिब कासमी, कारी सादिक, मौलाना अब्दुल वाजिद, कारी राव आरिफ, कारी फरहान, कारी नईम अहमद, कारी मुंतजिर, कारी शाहवेज, मौलाना मौ. उवैस कासमी, तौसीफ खान व मौ. सलमान आदि मौजूद रहे।

चैकिंग कर रहे जीएसटी विभाग पीआरडी जवान को अज्ञात कार ने मारी टक्कर अस्पताल जाते वक्त हुई मौत

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। सवेरे जीएसटी विभाग के सचल दल द्वारा डॉट काली मंदिर के निकट चेकिंग की जा रही थी चेकिंग के दौरान इसी बीच सहारनपुर की ओर से आने वाली हरियाणा नम्बर की काले रंग की कार ने रोड़ से हटकर खड़े पीआरडी जवान जंग बहादुर पुत्र श्री विजय बहादुर नि0 प्रीतम रोड देहरादून हाल तैनाती राज्य सचल दल आशारोडीं उम्र 35 वर्ष को टक्कर मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया एवम वापस यू-टर्न लेकर उ0प्र0 सहारनपुर की ओर भाग गया। दुर्घटना में पीआरडी जवान जंग बहादुर एम्बुलेंस के माध्यम से तुरन्त महन्त इन्द्रेश अस्पताल ले जाया गया, जँहा पर डॉक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुन्दन सिंह तोमर राज्य कर अधिकारी सचल दल की ओर से पुलिस ने तहरीर के आधार सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दून पुलिस ने 24 घंटे में कैसे किया प्रॉपर्टी डीलर मर्डर का खुलासा !

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून राजधानी स्थित कोतवाली पटेलनगर क्षेत्र में हुई प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का आज दून पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया खुलासा। रविवार को 30/11/2024 की सुबह थाना पटेल नगर को सूचना मिली कि यमुनोत्री विहार फेस 2 चंद्रबनी में एक किराए के मकान पर एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई है। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निदेर्शों पर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकार सदर व प्रभारी निरीक्षक पटेलनगर तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर मकान में एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला, प्रथम दृष्टया उक्त व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या करना प्र-काश मे आया।इस मृत व्यक्ति की पहचान मंजेश कुमार उम्र 42 वर्ष पुत्र सुरेंद्र कुमार निवासी गांजा माजरा खेड़ी जिला हरिद्वार के रूप में हुई। उक्त मकान के मालिक प्रदीप कुमार बौडीयाल से पूछताछ मे पता चला कि उनके द्वारा विगत दो माह से अपने मकान के ऊपर एक कमरा सचिन पुत्र नरेश कुमार निवासी भगवानपुर हरिद्वार को किराये पर दिया था तथा उक्त कमरे मे उसके एक साथी अर्जुन का भी आना जाना था।रात्रि मे उक्त कमरे मे सचिन व अर्जुन के साथ मृतक मंजेश भी रुका था तथा घटना के बाद से ही सचिन और अर्जुन अपने कमरे से फरार थे, जिनके फोन नम्बर बन्द है। पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों से सम्पर्क कर उनको मौके पर बुलाया गया तथा प्रारम्भिक पूछताछ मे पता चला कि मृतक प्रोपर्टी का काम करता था तथा अर्जुन मृतक के साथ काफी समय से काम कर रहा था।वही इस दौरान घटना के सम्बन्ध मे मृतक मंजेश के भाई सचिन कुमार द्वारा अर्जुन व सचिन द्वारा उसके भाई मंजेश की हत्या करने के संबंध में दी गयी तहरीर के आधार पर थाना पटेलनगर पर सचिन व अर्जुन उपरोक्त के विरुद्व हत्या का अभियोग पंजीकृत किया गया है।अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निदेर्शों पर थाना पटेलनगर व रडक्रदेहरादून की अलग-अलग

टीमो का गठन कर अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों को रवाना किया गया। वही पुलिस टीम द्वारा फरार अभियुक्त गणो की तलाश हेतु सर्विलांस व मुखविरों की सहायता से पतारसी / सुरागरसी की गई तो टीम को जानकारी मिली कि घटना के बाद सुबह के समय पुलिस को देखकर दोनो अभियुक्त मकान के पीछे से छत से नीचे कूद गये थे, जिसमे सचिन के पैर मे चोट आयी थी, जो भगवानपुर अस्पताल मे अपना प्रारंभिक उपचार कराने के बाद आगे के उपचार के लिए सहरानपुर गया है, उक्त सूचना पर तत्काल एक टीम को सहरानपुर रवाना किया गया, जहाँ पुलिस टीम को जानकारी मिली कि सचिन को अपने पीछे पुलिस के आने की जानकारी मिलने पर वह गिरफ्तारी से बचने के लिए देहरादून कोर्ट मे सरेंडर होने के लिए वापस देहरादून गया है, जिस पर तत्काल जनपद की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलते हुए पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त सचिन को चेकिंग के दौरान आशारोड़ी के पास के जंगल से गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ में उसके द्वारा अपने साथी अर्जुन के साथ मिलकर मंजेश की गला घोट का हत्या किया जाना स्वीकार किया गया।पुलिस टीम द्वारा पूछताछ के विवरण पूछताछ मे अभियुक्त द्वारा बताया गया कि पूर्व में भगवानपुर थाने से वह हत्या के मुकदमें में जेल गया था, जिसमे कुछ महिने पहले ही वह जमानत पर रिहा हुआ है। जेल मे उसके अन्य साथियों के माध्यम से उसकी जान-पहचान अर्जुन नाम के एक व्यक्ति से हुई। अर्जुन भी वर्ष 2019 मे डोईवाला मे एक हत्या के मामले मे जेल गया था और एक साल पहले जमानत पर बाहर आया था। अर्जुन द्वारा अभियुक्त को मंजेश नाम के एक पोर्पटी डीलर के साथ काम करने तथा मंजेश द्वारा ही उसका खर्चा उठाने की बात बतायी गयी। अभियुक्त भी देहरादून मे रेपिडो का काम कर रहा था और उसने यमनोत्री विहार फेज-2 मे एक कमरा किराये पर लिया था जहाँ अक्सर अर्जुन उसके साथ खाने पीने के लिए बैठता था। घटना से चार-पाँच दिन पहले अर्जुन द्वारा अभियुक्त को बताया गया कि मंजेश ने पोर्पटी मे अच्छा पैसा कमा रखा है तथा उसकी प्रॉपर्टी का सारा काम वह ही देखता है। मंजेश के अकाउन्ट मे 38 लाख रुपये है, जिसकी सारी डिटेल उसके पास है, यदि अभियुक्त उसका साथ दे तो दोनों मंजेश को मारकर उसके सारे पैसे निकाल सकते है, जिसे दोनो आधा आधा बाट लेंगे। अर्जुन की बातों से जल्दी पैसा कमाने के लालच मे आकर अभियुक्त द्वारा मजेश की हत्या करने मे हामी भर दी, उसके बाद अर्जुन द्वारा एक-दो बार मंजेश से अभियुक्त की मुलाकात कराई।

सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट विशाल वशिष्ठ ने दी विधिक जानकारी

डोईवाला। रेनेंसा द्रोण स्कूल में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट डोईवाला विशाल वशिष्ठ ने छात्रों को कानूनी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता से ही समाज में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाया जा सकेगा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चांदमारी स्थित रेंनेसा द्रोण स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शि-विर में सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट डोईवाला विशाल वशिष्ठ ने उपस्थित छात्रों को बाल यौन शौषण अपराध व साइबर अपराध से छात्र जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव व उनके बचाव के लिए जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बाल यौन शौषण के बढ़ते मामले चिन्ता का विषय है, ऐसे में छात्रों को जागरूक होना आवश्यक है जिससे उचित बचाव होना सक्षम है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बढ़ते क्रम का मुख्य कारण मोबाइल पर विभिन्न सोशल मीडिया एप का सही तरीके से प्रयोग न करना है। किसी भी प्रकार के सोशल मीडिया एप की सही जानकारी होने के बाद ही एप का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा किसी अंजान नम्बर से वीडियो कॉल पर रिस्पोंस कभी नहीं देना चाहिए। वरिष्ठ उप निरीक्षक विजेन्द्र कुमाईं ने छात्रों को यातायात नियमों से रूबरू कराते हुए बताया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाये जाने पर 25000 रुपए का जुमार्ना व अभिभावक को सजा का प्रावधान है, छात्रों को कानूनी सतर्कता बरतते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। पैनल अधिवक्ता मनीष धीमान ने कहा कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाद्यय पदार्थों का सेवन करना हमारे जीवन के लिए खतरा बन सकता है। विद्यालय के प्रबन्धक मनीष वत्स ने कहाकि छात्रों को विधिक जागरूकता के लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न शि विर का आयोजन किया जाता है। साथ ही छात्राओं को गुड टच झ बेड़ टच की जानकारी दी जाती है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजय वशिष्ठ, संजय जिन्दल, सन्दीप सिंह पटवाल, रूचि नेगी, सरिता सारस्वत, रश्मि नेगी, खुशबु थापा, प्रियंका नेगी, प्रियंका खण्डूड़ी आदि उपस्थित थे।

पौड़ी पुलिस का नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों का धर पकड़ अभियान

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

06 लाख कीमत की अवैध स्मैक के साथ दो नशा तस्करों को धर दबोचा

बंटी-बबली गैंग के फरार मुख्य सरगना बंटी व उसके साथी को कुल 25 ग्राम अवैध स्मैक के साथ किया गिरफ्तार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में बढते नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं नशा तस्करी की रोकथाम के लिये पौड़ी पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है, नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जा रही है।अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार रमेश तनवार व प्रभारी सीआईयू उपनिरीक्षक कमलेश शर्मा के नेतृत्व में कोटद्वार पुलिस टीम व सीआईयू टीम द्वारा कोटद्वार क्षेत्र में चेकिंग के दौरान इएछ रोड कोटद्वार के पास से 14 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक नशा तस्कर अभियुक्त बंटी चंद्रा (उम्र 28 वर्ष) निवासी- झूला बस्ती कोटद्वार तथा दिल्ली फॉर्म कोडिया कैम्प कोटद्वार से 11 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक और नशा तस्कर यश भारद्वाज (उम्र 27 वर्ष) निवासी- रमेश नगर नजीबाबाद रोड कोटद्वार को गिरफ्तार किया गया है।

पौंटा बल्लूपुर हाईवे निर्माण कार्यों की डीएम ने परखी प्रगति

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून जिलाधिकारी सविन बंसल ने पौंटा -बल्लूपुर हाईवे निरीक्षण करते हुए कार्य प्रगति को देखा। इस दोरान उन्होंने मसूरी बाईपास निर्माण की भी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एनएचएआई प्रोजेक्ट आशारोड़ी से झाझरा तक के लिए भूमि अधिग्रहित कर एनएचएआई को दी गई है, इस दौरान क्षेत्रीय निवासियों द्वारा अंडरपास की मांग किए जाने पर एनएचएआई के अधिकारियों को क्षेत्रीय ग्रामीणों से बैठक कर ग्रामीणों की अंडरपास की व्यवहारिक मांग पर निर्धारित मानको के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यों में आ रहे व्यवधान को मौके पर दूरभाष द्वारा दी 19 हैक्टेयर क्षतिपूरक भूमि की स्वीकृति। दी और इस दौरान जिलाधिकारी ने सुद्धोवाला से मसूरी बाईपास निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए मानचित्र का अवलोकन किया। इस अवसर पर अन्य अधिकारी भी शामिल रहे।

लंबित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें मुख्य विकास अधिकारी एस एल सेमवाल

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, मुख्य विकास अधिकारी एस एल सेमवाल ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी रूटीन बनाकर सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर नियमित रूप से लॉगइन करते रहें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी प्रकरण भविष्य में 36 दिनों से अधिक लम्बित न रहे।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा के लिए जिला मुख्यालय पर आयोजित बैठक में

मुख्य विकास अधिकारी ने विभागवार लोनिवि, विद्युत, स्वास्थ्य, बाल विकास विभाग, पेयजल निगम,जल संस्थान आदि विभागो के मामलों की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को लंबित मामलों का जल्द निस्तारण करने की हिदायत देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता से पोर्टल के माध्यम से कॉल कर उनकी शिकायतों के निस्तारण के संबंध में जानकारी देकर समाधान से संतुष्ट करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने लंबे समय से अनिस्तारित प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए कहा कि अगले सप्ताह सोमवार को फिर से सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज मामलों के निस्तारण की समीक्षा का जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में देरी या लापरवाही बरदाश्त नहीं होगी।

बैठक में उपजिलाधिकारी भटवाड़ी मुकेश चंद रमोला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी एस रावत, अधीक्षण अभियंता लोनिवि हरीश पांगती सहित अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुरोला में राजकीय महाविद्यालय परिसर में ऑडीटोरियम के निर्माण के लिए दो करोड़ लागत की योजना स्वीकृत

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ और अधिक गुणवत्तापरक बनाने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की श्रृंखला में कलस्टर स्तर के उत्कृष्ट विद्यालयों के लिए प्रथम चरण में तीन और मिनी स्कूल बसों की व्यवस्था हेतु जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने अनटाईड फंड से साठ लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने पुरोला में राजकीय महाविद्यालय परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऑडीटोरियम के निर्माण के लिए जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास की मद से रू. दो करोड़ लागत की योजना स्वीकृत कर यमुना घाटी क्षेत्र में एक स्तरीय ऑडीटोरियम की व्यवस्था किए जाने की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया है।

जिले में शिक्षा व्यवस्था के सुदृढीकरण लिए कलस्टर स्तर पर बनाए जाने वाले उत्कृष्ट प्राथमिक विद्यालयों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। इन विद्यालयों तक छात्रों के आवागमन की सुविधा के लिए जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के द्वारा इससे पूर्व में भी 12 मिनी बसों की व्यवस्था के लिए जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास की मद से रू. दो करोड़ चालीस लाख की धनराशि स्वीकृत की गई थी। अब अनटाईड फंड से उत्तरकाशी, पुरोला एवं बड़कोट क्षेत्र के लिए एक-एक अतिरिक्त मिनी बसों की व्यवस्था हेतु रू. साठ लाख की धनराशि स्वीकृत करने के बाद प्रथम चरण में 12 कलस्टर के विद्यालयों के लिए कुल तीन करोड़ रुपये की लागत से 15 बसें उपलब्ध हो जाएंगी।

जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने मनरेगा के तहत परिसंपत्तियों के सृजन पर जोर दिया

मनरेगा के तहत प्राथमिकता के आधार पर आंगनवाड़ी केन्द्रों का निर्माण और प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण

जिलाधिकारी ने मनरेगा के तहत समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने और पिछले सालों की लंबित देनदारियों का अविलंब निस्तारण करने के निर्देश दिए

जिले में हर साल मनरेगा से न्यूनतम 25 करोड़ और विभागों के स्तर से 25 करोड़ की लागत का कनवरजेंस करने का प्रयास किया जाएगा

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी, 02 दिसंबर 2024 जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत परिसंपत्तियों के सृजन पर जोर देते हुए कहा है कि मनरेगा के तहत प्राथमिकता के आधार पर आंगनवाड़ी केन्द्रों का निर्माण, प्राथमिक विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, एएनएम सेंटर्स निर्माण, पंचायत भवन व बारातघर जैसे सामुदायिक सुविधाओं से जुड़ी परिसपत्तियां सृजित करने का काम किया जाय।

जिलाधिकारी डा. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिला मुख्यालय पर आयोजित एक बैठक में जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि मनरेगा के साथ अन्य विभागीय योजनाओं का कनवरजेंस कर स्थाई एवं सामुदायिक परिसंपत्तियां जुटाने को प्राथमिकता दी जाय। इसके लिए संबंधित विभाग के साथ समन्वय व सर्वेक्षण कर आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अगले तीन-चार सालों की कार्ययोजना का खाका तैयार करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में हर साल मनरेगा से न्यूनतम 25 करोड़ और विभागों के स्तर से 25 करोड़ की लागत का कनवरजेंस कर स्थायी परिसंपत्तियों का सृजन का प्रयास किया जाय। उन्होंने मेरा गांव- मेरी सड़क की योजनाओं के अधिकाधिक प्रस्ताव रखे जाने के साथ ही चारधाम यात्रा मार्गों पर स्थानीय उत्पादों के बाजार तैयार कर महिला स्वयं सहायता समूहों को इससे जोड़े जाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने मनरेगा के तहत समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही पिछले सालों की लंबित देनदारियों का अविलंब निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस मामले में देरी के लिए संबंधित खंड विकास अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को व्यापक व प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाना जरूरी है। उन्होंने जिले के मनरेगा में पंजीकृत सभी श्रमिकों का आधार सीडिंग ओर एबीपीएस को शत-प्रतिशत पूर्ण करने तथा नियमानुसार रोजगार के अधिकाधिक अवसर प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एस एल सेमवाल, अपरजिलाधिकारी देवानंद शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए अजय सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी चेतना अरोड़ा, जिला विकास अधिकारी रमेश चन्द्र सहित सभी खंड विकास अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

दर्दनाकः जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट तिराहे से अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बुजुर्गों की मौत

शादाब अली

देहरादून। जौलीग्रान्ट चैकी को सूचना मिली की एयर पोर्ट तिराहे से पहले किसी अज्ञात वाहन द्वारा मॉर्निंग वाक पर आएक दो व्यक्तियों बीर सिह बिष्ट पुत्र शिव सिह बिष्ट निवासी कोटी अठुरवाला जौलीग्रान्ट थाना डोईवाला देहरादून उम्र- 74 वर्ष तथा दलपति सिह पुत्र शिव सिह निवासी जोगीयाणा अठूरवाला जौलीग्रान्ट डोईवाला, देहरादून, उम्र- 65 वर्ष को टक्कर मारकर गम्भीर रूप घायल कर दिया है। सूचना पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा तथा 108 एम्बूलेन्स के माध्यम से दोनो घायलो को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डाक्टर द्वारा दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा शवों के पंचायतनामे की कार्यवाही कर शवो को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी में भिजवाया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट विशाल वशिष्ठ ने दी विधिक जानकारी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

डोईवाला। रेनेंसा द्रोण स्कूल में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट डोईवाला विशाल वशिष्ठ ने छात्रों को कानूनी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता से ही समाज में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाया जा सकेगा।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चांदमारी स्थित रेंनेसा द्रोण स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शिविर में सिविल जज व न्यायिक मजिस्ट्रेट डोईवाला विशाल वशिष्ठ ने उपस्थित छात्रों को बाल यौन शौषण अपराध व साइबर अपराध से छात्र जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव व उनके बचाव के लिए जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बाल यौन शौषण के बढ़ते मामले चिन्ता का विषय है, ऐसे में छात्रों को जागरूक होना आवश्यक है जिससे उचित बचाव होना सक्षम है।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बढ़ते क्रम का मुख्य कारण मोबाइल पर विभिन्न सोशल मीडिया एप का सही तरीके से प्रयोग न करना है। किसी भी प्रकार के सोशल मीडिया एप की सही जानकारी होने के बाद ही एप का प्रयोग किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा किसी अंजान नम्बर से वीडियो कॉल पर रिस्पोंस कभी नहीं देना चाहिए।वरिष्ठ उप निरीक्षक विजेन्द्र कुमाईं ने छात्रों को यातायात नियमों से रूबरू कराते हुए बताया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाये जाने पर 25000 रुपए का जुमार्ना व अभिभावक को सजा का प्रावधान है, छात्रों को कानूनी सतर्कता बरतते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

पैनल अधिवक्ता मनीष धीमान ने कहा कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाद्यय पदार्थों का सेवन करना हमारे जीवन के लिए खतरा बन सकता है।

विद्यालय के प्रबन्धक मनीष वत्स ने कहाकि छात्रों को विधिक जागरूकता के लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न शि विर का आयोजन किया जाता है। साथ ही छात्राओं को गुड टच झ बेड़ टच की जानकारी दी जाती है।इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजय वशिष्ठ, संजय जिन्दल, सन्दीप सिंह पटवाल, रूचि नेगी, सरिता सारस्वत, रश्मि नेगी, खुशबु थापा, प्रियंका नेगी, प्रियंका खण्डूड़ी आदि उपस्थित थे।

नोएडा: दिल्ली कूच के लिए सीमाओं पर डटे किसानों की पुलिस के साथ झड़प, लगा लंबा जाम

यमुना प्राधिकरण में वर्षों से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को यहां के किसान दिल्ली कूच करने के लिए सीमा पर डटे हुए हैं। दिल्ली की ओर कूच करने के प्रयास में उनकी पुलिस के साथ झड़प हुई तथा दिल्ली से सटी सीमाओं...

नोएडा: यमुना प्राधिकरण में वर्षों से लंबित विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को यहां के किसान दिल्ली कूच करने के लिए सीमा पर डटे हुए हैं। दिल्ली की ओर कूच करने के प्रयास में उनकी पुलिस के साथ झड़प हुई तथा दिल्ली से सटी सीमाओं पर भीषण जाम लग गया है। दिल्ली कूच के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य वाहनों पर आए किसानों ने अपने अपने संगठन के बैनर तले, नोएडा में महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्र होकर नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया और इस दौरान किसानों की उनके साथ झड़प हुई। पुलिस ने उन्हें नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल के गेट नंबर दो पर रोक दिया है और किसान वहीं बैठ कर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यातायात को अन्य मार्गों की तरफ मोड़ दिया गया है जिससे नोएडा से दिल्ली की तरफ जाने के लिए चिल्ला, कालिंदी कुंज, डीएनडी सीमा पर वाहनों की लंबी कतार देखी जा रही है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने दावा किया कि मोर्चा अबकी बार किसानों की मांगों को हर हाल में पूरी करवा कर वापस लौटेगा। उन्होंने बताया कि किसान अधिगृहित जमीन के एवज में मिलने वाले सात प्रतिशत और पांच प्रतिशत भूखंड के बदले 10 प्रतिशत भूखंड आवंटन की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों में नये भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभों को लागू करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 10 फीसदी भूखंड आवंटन का मसला वर्षों से लंबित है।

फेसबुक रील ने किया जादू ! रील देखकर 24 साल के लड़के को दिल दे बैठी महिला....मिलने के लिए परिवार को छोड़कर घर से भागी

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां जौनपुर की एक शादीशुदा महिला को फेसबुक पर एक युवक की रील देखकर उससे प्यार हो गया। यह मामला तब सामने आया जब महिला ने अपने से 6 साल...

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां जौनपुर की एक शादीशुदा महिला को फेसबुक पर एक युवक की रील देखकर उससे प्यार हो गया। यह मामला तब सामने आया जब महिला ने अपने से 6 साल छोटे युवक के साथ संबंध बनाने का फैसला किया और अपने घर से भाग गई।

फेसबुक रील देखकर 24 साल के लड़के को दिल दे बैठी महिला

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला ने युवक की फेसबुक रील्स देखीं, जिसके बाद उन्होंने बातचीत शुरू की। यह बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दोनों ने मिलने का प्लान बनाया। घर से भागने के बाद, महिला की बहन ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने महिला और युवक की खोजबीन शुरू की और उन्हें बदायूं के पास से ढूंढ निकाला। जब पुलिस ने दोनों को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उनके परिवार के सामने लाया, तो महिला ने साफ तौर पर कहा कि वह अपने पति और बच्चों को छोड़कर युवक के साथ रहना चाहती है।

युवक को मिलने के लिए पति-बच्चों को छोड़ घर से भागी महिला

पुलिस के मुताबिक, 24 साल का युवक बदायूं का निवासी है और सोशल मीडिया पर गाने और एक्टिंग की रील्स बनाकर पोस्ट करता है। महिला ने उसकी रील देखकर कमेंट किया था, जिसके बाद उनकी बातचीत शुरू हुई। महिला का पति दिल्ली में एक प्राइवेट नौकरी करता है और उसके बच्चे भी हैं। महिला की बहन ने पुलिस को सूचित किया कि उन्हें कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर होने की संभावना है। इसके बाद पुलिस ने कॉल रिकॉर्ड और चैटिंग के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस की और दोनों को खोज निकाला। अंत में, पुलिस ने महिला को उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया, लेकिन महिला ने अपने निर्णय पर अडिग रहते हुए युवक के साथ रहने की इच्छा जताई।

सड़क हादसे में मामा-भांजे सहित तीन लोगों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में शनिवार देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में मामा-भांजे सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि डौकी थाना क्षेत्र के वाजिदपुर-टूण्डला मार्ग पर हुए इस...

आगराः उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में शनिवार देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में मामा-भांजे सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि डौकी थाना क्षेत्र के वाजिदपुर-टूण्डला मार्ग पर हुए इस हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि डौकी के नगरिया रामकरन इलाके का रहने वाला मनीष (22) शनिवार सुबह बाइक से अपनी पत्नी पूजा और 10 वर्षीय भांजे रामकिशन के साथ फिरोजाबाद के नगला सिंधी में खेत पर काम करने गया था। अधिकारी ने बताया कि देर शाम लौटते समय मनीष की बाइक की यमुना नदी पुल पर सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गयी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में रामकिशन और दूसरी बाइक पर सवार सूरज की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने सूरज की उम्र 16 साल बतायी है।

पुलिस के मुताबिक, मनीष व उसकी पत्नी पूजा गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्हें फतेहाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने मनीष को मृत घोषित कर दिया।

VIDEO: छीना-झपटी के दौरान हवा में लहराती नजर आई महिला, पर्स लेकर भागे बाइक सवार लूटेरे.... CCTV में कैद हुई घटना

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में एक महिला से पर्स लूटने की घटना सामने आई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है, जिसमें बाइक सवार बदमाश महिला से पर्स छीनते हुए नजर आ रहे हैं। घटना के अनुसार, महिला देर शाम...

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में एक महिला से पर्स लूटने की घटना सामने आई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है, जिसमें बाइक सवार बदमाश महिला से पर्स छीनते हुए नजर आ रहे हैं। घटना के अनुसार, महिला देर शाम अपने घर की ओर लौट रही थी, जब दो बाइक सवार बदमाशों ने उसे घेर लिया।

उन्होंने महिला का पर्स छीन लिया, जिसमें नकद पैसे और जरूरी दस्तावेज थे। लूटपाट के बाद बदमाश तेजी से फरार हो गए।

CCTV फुटेज में स्पष्ट रूप से दिखी लूट

सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि बाइक पर सवार दो बदमाश महिला के पास आते हैं और तेजी से उसका पर्स छीनकर भाग जाते हैं। महिला थोड़ी देर तक उनके पीछे दौड़ती है, लेकिन बदमाश तेजी से बाइक चला कर फरार हो जाते हैं। घटना के बाद महिला शॉक में थी और उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फुटेज की जांच शुरू कर दी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का मुक्की, अजय राय बोले- विफलताओं को छिपाने के लिए अन्याय कर रही सरकार

उत्तर प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय से संभल जाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। संभल जाने की कोशिश के तहत राय कार के चालक की सीट पर स्वयं बैठे और उनके...

लखनऊ/संभलः उत्तर प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय से संभल जाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। संभल जाने की कोशिश के तहत राय कार के चालक की सीट पर स्वयं बैठे और उनके बगल में पार्टी के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया बैठे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके लिए रास्ता साफ करने के लिए पुलिस से धक्का मुक्की भी की। हालांकि, कांग्रेस पार्टी के कार्यालय के आसपास बड़ी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने राय और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं को संभल जाने से रोक दिया।

10 दिसंबर के बाद भी सरकार बढ़ा सकती है निषेधाज्ञा कानून

राय ने संवाददाताओं से कहा, ह्लप्रशासन ने मुझे बताया था कि संभल में 10 दिसंबर तक निषेधाज्ञा लागू है। हमने उन्हें बताया कि हमारी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा। प्रशासन ने कहा, 10 दिसंबर से निषेधाज्ञा हटते ही उन्हें बता दिया जाएगा। निषेधाज्ञा हटते ही कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल निश्चित तौर पर संभल जाएगा ह्व एक सवाल के जवाब में राय ने कहा, ह्लवे 10 दिसंबर के बाद निषेधाज्ञा बढ़ा सकते हैं क्योंकि उन्हें डर लग रहा है। सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए यह अत्याचार और अन्याय कर रही है। हम निश्चित रूप से संभल जाएंगे।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को रोकना सरकार की तानाशाही

कांग्रेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ह्लप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोका गया है। प्रदेश सरकार की इस तानाशाही का राय सहित कांग्रेस के साथियों ने भारी विरोध किया है। इस सरकार और पुलिस की मनमानी से हमारा साहस टूटने नहीं जा रहा। हम संभल में शांति स्थापित करने और लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास जारी रखेंगे ह्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद पी एल पुनिया ने कहा, ह्लसंभल की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जा रहा था। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार, कांग्रेस से डरी हुई है। इसलिए वह हमेशा इसके रास्ते पर

अड़चन पैदा करती है। हमारे अध्यक्ष ने निर्णय किया है कि हम वहां निश्चित रूप से जाएंगे।

संभल में हुई हिंसा के पीछे भाजपा की साजिशः कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस ने कहा, ह्लकांग्रेस पार्टी संभल में हुई हिंसा के पीछे भाजपा की साजिश और इसका चेहरा लोगों के सामने लाएगी ह्व दिल्ली से संभल जा रहे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भी उत्तर प्रदेश की सीमा पर रोक दिया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी उन लोगों में शामिल थे जिन्हें पुलिस द्वारा रोका गया। पुलिस ने रविवार रात से ही लखनऊ में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय के बाहर और पार्टी के उन नेताओं के आवास के बाहर अवरोधक लगा दिए थे, जिन्हें अजय राय के साथ संभल जाना था। संभल में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष तौकीर अहमद ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ह्लआज, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को संभल आना था, लेकिन पुलिस प्रशासन हर किसी को संभल आने से रोक रहा है।

संभल जाने से रोकना लोकतंत्र के खिलाफ

तौकीर अहमद ने कहा, ह्लइससे पूर्व जिला प्रशासन ने 30 नवंबर तक संभल आने पर रोक लगा रखी थी और इससे पहले ही हमने घोषणा की थी कि हमारा प्रतिनिधिमडंल दो दिसंबर को संभल जाएगा। लेकिन, अब पुलिस प्रशासन हर किसी को संभल आने से रोक रहा है जोकि लोकतंत्र के खिलाफ है ह्व उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और संभल जिला प्रशासन संभल हिंसा में पूरी तरह से विफल रहा। इस बीच, लखनऊ के मॉल एवेन्यू इलाके में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात कर अवरोधक लगा दिए गए हैं। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और पार्टी के अन्य नेताओं को संभल के लिए निकलने का प्रयास करते हुए देखा गया। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ने लखनऊ में विधानसभा के बाहर संवाददाताओं को बताया, ह्लसंभल की घटना कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि एक बड़ी घटना है।

धारा 163 लगाकर अपनी विफलताओं को छिपा रही सरकार

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल तथ्यों का पता लगाने के लिए वहां जाना चाहता था। लेकिन, कल रात से मुझे नजरबंद कर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख राय सहित हमारी पार्टी के नेताओं को संभल जाने से रोका जा रहा है ह्व मिश्रा ने कहा, ह्लयह सरकार की तरफ से पूर्ण अराजकता है। सरकार धारा 163 लगाकर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है और हमें लखनऊ से वहां नहीं जाने दे रही है। उन्होंने कहा कि धारा 163 संभल में लागू है ना कि लखनऊ में ह्व संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद समेत कई सपा विधायकों और सांसदों को शनिवार (30 नवंबर) को हिंसा ग्रस्त संभल जाने से रोक दिया गया था क्योंकि जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक 10 दिसंबर तक बढ़ा दी थी। गौरतलब है कि अदालत के आदेश पर शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान 24 नवंबर को संभल में हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। यह सर्वेक्षण उस याचिका से जुड़ा है जिसमें दावा किया गया है कि इस मस्जिद के स्थान पर कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

नई दिल्ली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय

टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा। वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है। अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे। अगर श्रीलंका की टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अपने घरेलू सीरीज में दोनों मैच हरा दे तो वह 61.54 अंक (परसेंट) तक पहुंच सकती है, जो वह आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगी। अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से सीरीज जीते तो उस पर फाइनल से बाहर होने का पूरा खतरा बना रहेगा। ऐसा होने पर भारत के 57.02 अंक (परसेंट) रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में भी सीरीज खेलनी है। अगर ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका की सीरीज 1-1 से बराबर रहे तो वह बाहर हो जाएगी।

विश्व कप जीतने की कमी 2026 में पूरी करना चाहते हैं हरमनप्रीत

नई दिल्ली भारत की सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि वह अपने करियर में आज तक विश्व कप में पदक नहीं जीत पाये हैं और इस कमी को 2026 में होने वाले टूनार्मेंट में पूरा करना चाहते हैं। भारत ने विश्व कप में अभी तक तीन पदक जीते हैं। उसने 1971 (बार्सिलोना) में कांस्य, 1973 में रजत (एम्स्टेलवीन, नीदरलैंड) और 1975 (कुआलालंपुर) में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से ही भारतीय टीम विश्वकप में पदक नहीं जीत पायी है। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक खेलों में उनकी कप्तानी में टीम ने कांस्य पदक जीता था। वह 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। हरमनप्रीत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हमेशा ओलंपिक में स्वर्ण पदक और विश्व कप में पदक जीतना होगा। हमने पेरिस में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे पता चलता है कि हम किसी भी शीर्ष टीम का सामना करके जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारा लक्ष्य एफआईएच प्रो लीग के मैच हैं। हम एशिया कप में जीत दर्ज करते विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हमने लंबे समय से विश्व कप में पदक नहीं जीता है और मैं अपने करियर में इसे जीतना चाहता हूं। हरमनप्रीत ने कहा कि उम्मीद है कि हम अपने करियर के दौरान उन सुनहरे दिनों को फिर से हासिल कर सकेंगे।

पुष्पा 2 की रिलीज को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर

मुंबई देश भर में दर्शकों का उत्साह बहुप्रतिक्षित फिल्म ह्यपुष्पा 2ह्ल की रिलीज को लेकरचरम पर है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में है। सोशल मीडिया पर अभिनेता ने फिल्म से जुड़ी एक अपडेट प्रशंसकों के साथ शेयर की है। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है। अल्लू अर्जुन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपकमिंग मोस्ट अवेटेड फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने की जानकारी दी है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, ह्लयह अ/व है। फिल्म के पोस्टर में दमदार अभिनेता पुष्पा के अपने धांसू अंदाज में नजर आ रहे हैं। यह खबर जैसे ही प्रशंसकों को मिली तो उनका उत्साह काफी बढ़ गया। फिल्म आगामी 6 दिसंबर को

सिनेमाघरों आएगी। इसके हर अपडेट पर पुष्पा के फैंस नजरें गड़ाए बैठे हैं। फिल्म के नए अपडेट को लेकर प्रशंसकों ने अल्लू अर्जुन के पोस्ट पर जमकर कमेंट्स किए। एक फैन ने लिखा, मजेदार, इंतजार था। एक अन्य ने लिखा, सिनेमाघरों में आ रहा है पुष्पा। दूसरे ने लिखा, सुपर अल्लू सर जी। ह्यपुष्पा 2: द रूलह्ल का ट्रेलर हाल ही में पटना के गांधी मैदान में लॉन्च हुआ था। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रशंसकों का उत्साह देखने लायक था। लाखों की संख्या में गांधी मैदान में जुटी प्रशंसकों की भीड़ अपने श्रीवल्ली और पुष्पा की एक झलक पाने को बेकरार दिखी। प्रशंसकों की भीड़ में से कुछ मैदान में लगे टावर पर चढ़ गए तो कुछ जोर-जोर से अपने सुपरस्टार के लिए चिल्लाते भी नजर आए। हाई-वोल्टेज एक्शन-ड्रामा में इस बार काफी कुछ नया देखने को मिलेगा।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

मुंबइ दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन स-ुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंध्न वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब

भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगूठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में पहले टेस्ट की विजेता टीम से दो लोगों को बाहर रखन होगा।

सिद्धार्थ आनंद ने एक्शन फिल्म निर्माण को दिया नया रूप

मुंबई सनेमा की दुनिया में लगातार बॉक्स ऑफिस पर राज करने की अपनी अद्भुत क्षमता के साथ, बॉलीवुड फिल्म निमार्ता सिद्धार्थ आनंद ने भारत में एक्शन फिल्म निर्माण को नया रूप दिया है। 1,250 करोड़ का कलेक्शन उनके नाम पर भारतीय सिनेमा के सबसे सफल और दूरदर्शी निर्देशक के रूप में उनकी स्थिति को और भी मजबूत करता है। ट्रेड एनालिस्ट रोहित जयसवाल द्वारा सिद्धार्थ आनंद को आधिकारिक तौर पर इस दशक (2014-2024) के नंबर वन बॉलीवुड फिल्म निमार्ता का ताज पहनाया है। पिछले दशक में, सिद्धार्थ आनंद ने बॉलीवुड की कुछ सबसे सफल और रिकॉर्ड-तोड़ फिल्मों का निर्माण किया है। 2014 में, उन्होंने ह्यबैंग बैंगह्ल फिल्म दी, जिसमें ऋतिक रोशन और कटरीना कैफ मुख्य भूमिका में थे, जिसने अपनी एक्शन-पैक कहानी के साथ रुपए 332.43 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। 2019 में, आनंद ने ह्यवॉरह्ल के साथ

रिकॉर्ड तोड़े, जिसमें ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ थे, और यह रुपए 475.62 करोड़ के साथ साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। फिर 2023 में आनंद पठान से सिनेमाई मुकाम पर पहुंचे। दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम के साथ शाहरुख खान की शानदार वापसी के साथ, यह फिल्म एक इतिहास रचा, जिसने अभूतपूर्व रुपए 1,050.30 करोड़ की कमाई की। 2024 की शुरूआत में, उन्होंने ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर अभिनीत एक हवाई एक्शन महाकाव्य फाइटर रिलीज किया, जिसने रुपए 344.46 करोड़ की कमाई की, जो उनके प्रभुत्व को और मजबूत किया। ये फिल्में केवल बॉक्स ऑफिस की सफलता नहीं हैं, बल्कि सिनेमा की बेमिसाल उत्कृष्टता का उदाहरण हैं। आनंद की विशिष्ट शैली, जिसमें हाई एनर्जी एक्शन, रोचक कहानियां और बड़े पैमाने पर दृश्य होते हैं, उन्हें अपने समकालीनों से बहुत आगे खड़ा कर दिया है। लगातार हिट्स और थमने के कोई संकेत न दिखाते हुए, सिद्धार्थ आनंद सिर्फ एक फिल्म निमार्ता नहीं, बल्कि एक अग्रणी और भारतीय सिनेमा का मानक बन चुके हैं।

फिल्म जेलर 2 का नया पोस्टर रीलिज

मुंबई
बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर हिट का टैग लेने वाली रजनीकांत की फिल्म फिल्म ह्यजेलर 2ह्ल का नए पोस्टर रीलिज हो गया। इस पोस्टर में हर एक कैरेक्टर का दमदार लुक सामने आया है।

प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़े पोस्टर्स शेयर कर कैप्शन में लिखा, ह्लजब ह्यजेलरह्ल के कैरेक्टर्स इंचार्ज हों तो कोई आधा-अधूरा काम नहीं होता।ह्ल पहली पोस्टर में रजनीकांत अपने दमदार अंदाज में दिख रहे हैं और उनकी हाथ में बंदूक है। वहीं, दूसरी में मोहनलाल, शिवा राजकुमार के साथ ही जैकी श्रॉफ समेत अन्य मंझे हुए सितारे हैं। फिल्म में ह्यलियोह्ल अभिनेत्री रम्या कृष्णन, तमन्ना

भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि जैसे शानदार सितारे लिस्ट में शामिल हैं। जेलर 2 के लेखक और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म जेलर का सीक्वल है, जिसका टाइटल मेकर्स ने जेलर 2 दिया है।

जेलर सिनेमाघरों में हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई थी और ब्लॉकबस्टर हुई थी। यह एक रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के जीवन की कहानी है। फिल्म में जेलर के रूप में थलाइवा रजनीकांत दमदार अंदाज में नजर आए थे। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में रजनीकांत के साथ ही रम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक भी महत्वपूर्ण रोल में थे।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार